04 - महिला सुरक्षा के सवाल की वर्तमान घटनाएं

05 - हमारी आदतों से उपजा कूड़ा, हर दिन बढ़ती समस्या

A Daily News Magazine

भोपाल

मंगलवार, 28 अक्टूबर, 2025

06 - सोनाघाटी रेलवे पुल की चौड़ाई कम होने से एक साथ नहीं निकल पाते दो वाहन

07 - कार्बाइड गन और प्रतिबंधित पटाखे की जांच पड़ताल जारी

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 58, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

वेनेजुएला पर हमला कर अमेरिका को ही खतरे में डाल रहे हैं ट्रंप

प्रवीण स्वामी

पिछले हफ्ते, जब राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने केंद्रीय खुफिया एजेंसी को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की तानाशाही सरकार को हटाने के लिए गुप्त कार्रवाई करने का अधिकार दिया–इसके साथ ही सेना को इसके लिए तैनात कर दिया–तो वेनेजुएला की विरोधाभासी कहानी साफ़ हो गई।

दूसरे विश्व युद्ध के अंत के बाद, जब अमेरिका ने मित्र देशों की सेनाओं को ऊर्जा दी, वेनेजुएला की GDP प्रति व्यक्ति के हिसाब से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। हालांकि, नकदी की लहर उसके सरकार और नागरिक समाज की संस्थाओं को कमजोर कर रही थी। फिर, जब अमेरिका ने तथाकथित ड्रग्स के खिलाफ युद्ध शुरू किया, और इसे लेफ्ट-विंग सरकारों और राजनीतिक ताकतों को गिराने के लिए इस्तेमाल किया, तो उसने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया। ट्रंप उसी रास्ते चलने वाले हैं, जो कई पूर्व राष्ट्रपति पहले जा चुके हैं–एक रास्ता जो जहरीली कीचड़ से ढंका है और आखिर में असीम अंधकार की ओर ले जाता है।

1971 की गर्मियों के अंत में, राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने ड्रग्स के खिलाफ युद्ध शुरू किया। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं की लत एक 'राष्ट्रीय आपात स्थिति' बन गई है और ड्रग्स का दुरुपयोग 'सार्वजनिक दुश्मन नंबर एक' है। उनके सहायक जॉन एर्लिचमैन ने बाद में माना कि असली लक्ष्य वियतनाम युद्ध के विरोधी प्रदर्शनकारी और काले अमेरिकी थे। 'हम जानते थे कि युद्ध के खिलाफ होना या काला होना अवैध नहीं बन सकता, लेकिन जनता को हिप्पियों को मारिजुआना और काले लोगों को हेरोइन से जोड़ने के लिए, और फिर दोनों को भारी रूप से अपराध बनाकर, हम उन समुदायों को बाधित कर सकते थे।'

किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ कि ड्रग्स के खिलाफ यह युद्ध घरेलू उपभोग को रोकने में विफल रहा। आंकड़े दिखाते हैं कि गिरफ्तारी के बावजूद नशे की लत और ओवरडोज़ से मौतें बढ़ती रही।

इस निष्कर्ष के बाद, बाद के राष्ट्रपति ड्रग्स के युद्ध को बाहर की ओर ले गए, जैसा कि ट्रंप अब कर रहे हैं। 1986 में, राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने औपचारिक रूप से नारकोटिक्स को राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे के रूप में स्वीकार किया। पिछले चार वर्षों से, CIA और अमेरिका की सशस्त्र सेनाएं ड्रग्स रोकथाम प्रयासों में शामिल हो रही थीं। 1989 में, राष्ट्रपति बुश ने एंडीज़ राज्यों में सेना और पुलिस के लिए वित्तीय सहायता बढ़ाई और व्यापक विशेष बल मिशनों का अधिकार दिया।

निक्सन की तरह, रीगन का भी राजनीतिक एजेंडा था। राष्ट्रपति का ड्रग्स के खिलाफ युद्ध इस विचार पर केंद्रित था कि लेफ्ट-विंग क्यूबा और निकारागुआ अमेरिका में नशीली दवाएं भेजकर समाज को अस्थिर कर रहे हैं और पश्चिमी गोलार्ध में मार्क्सवादी आंदोलनों को वित्तपोषित कर रहे हैं। हालांकि, इसका कोई प्रमाण नहीं था। सच्चाई यह थी कि क्यूबा और सैंडिनिस्टा का ड्रग्स व्यापार में सहयोग लगभग उसी तरह था जैसे राइट-विंग सरकारें और विद्रोही समूह कर रहे थे। ड्रग्स के युद्ध में सैकड़ों हजारों लोग मध्य और दक्षिण अमेरिका में डेथ स्क्वाड्स द्वारा यातना में मारे गए–अक्सर वाशिंगटन की सहमति के साथ। अमेरिका का विशाल वित्तीय और सैन्य समर्थन, क्षेत्र के राष्ट्र-राज्यों की राजनीतिक संरचना को विकृत कर गया और दोषमुक्ति की संस्कृति को बढ़ावा दिया। अमेरिका की खुफिया एजेंसियों के लिए एक और समस्या थीः नशीली दवाओं के तस्करी में शामिल कई समूह और व्यक्ति उनके सहयोगी थे। भले ही CIA ने अपनी गुप्त कार्रवाई को नशीली दवाओं को बेचकर वित्तपोषित नहीं किया–जैसा कि पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस ने बाद में किया–लेकिन उसने अपने एंटी-कम्युनिस्ट सहयोगियों को इस व्यवसाय में शामिल होने की अनुमति दी। इतिहासकार अल्फ्रेड डब्ल्यू मैकॉय ने लिखा कि लूसियानो का नेटवर्क, मध्य पूर्व से यूरोप मर्फिन बेस ले जाकर हेरोइन में बदलता और फिर इसे बड़ी मात्रा में अमेरिका निर्यात करता, और कभी भी बड़ी गिरफ्तारी या जब्ती का सामना नहीं किया।

बाद में, CIA ने कोमिनतांग को अनुमति दी, जिन्हें पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने चीन से निकाल दिया था, कि वे थाईलैंड और म्यांमार में अपने ठिकानों से हेरोइन की तस्करी करें। सबसे कुख्यात उदाहरणों में फ्रैंक कास्त्रो और अन्य CIA से जुड़े एंटी-कम्युनिस्ट क्यूबाई शामिल थे, जिनका आतंकवाद से संबंध था। CIA अक्सर नशीली दवाओं की जांच को कमजोर करता था जब यह उनके बड़े वैचारिक या राजनीतिक लक्ष्यों को नुकसान पहुंचा सकता था।

भले ही वेनेजुएला 1950 के दशक में अमीर बन गया, उभरते संकट की पहचान करना मुश्किल नहीं था। तेल से होने वाली आय के लिए उत्पादक निवेश के बहुत कम अवसर थे। 1989 में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के उधार के कारण कठिनाइयों का सामना करते हुए, वेनेजुएलावासी राष्ट्रपति हूगो चावेज़ के लोकप्रिय समाजवाद की ओर मुड़ गए। चावेज़ ने सामाजिक सेवाओं का विस्तार किया, लेकिन तेल उद्योग को बर्बाद कर दिया।

जैसे ही वेनेजुएला आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहा था, वहां की पूंजी कोकीन को कैरिबियन या मैक्सिको भेजने के लिए एक ट्रांज़िट प्वाइंट के रूप में इस्तेमाल होने लगी, जहां अन्य कार्टेल इसे अमेरिका तक पहुंचाते थे। ट्रंप की लड़ाई राष्ट्रपति मादुरो को आसानी से सत्ता से हटा सकती है–तो भी यह नशीली दवाओं की तस्करी की एक लाइन को रोकने से ज्यादा असर नहीं डालेगी। सबसे पहले, वेनेजुएला और उसका सबसे बड़ा कार्टेल, ट्रेन दे अरागुआ, अमेरिका को नशीली दवाएं पहुंचाने में अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा रखते हैं। दूसरा, शासन में बदलाव वेनेजुएला के एंडीज में कोकीन से जुड़े आर्थिक और राजनीतिक हालात को बदलने की संभावना बहुत कम है। तीसरा, अमेरिका शायद वेनेजुएला, कोलंबिया और मैक्सिको में खुले सैन्य अभियान के लिए आवश्यक सैन्य संसाधन देने के लिए तैयार नहीं होगा।

विशेषज्ञों ने लंबे समय से कहा है कि अमेरिका की नशीली दवाओं की समस्या का हल उसके अपने देश में है, मांग कम करने और नशे से लड़ने के उपायों में। इसके अलावा, सिंथेटिक नशीली दवाओं के बढ़ते बाजार के कारण कोलंबियाई कोकीन का महत्व कम हो रहा है।

हालांकि, ट्रंप का उद्देश्य वेनेजुएला को मजबूर करके नशे से लड़ना नहीं है। उद्देश्य अपने पड़ोस में अमेरिकी प्रभुत्व स्थापित करना है, उन शत्रुतापूर्ण और अव्यवस्थित शासन पर। पहले की तरह नशीली दवाओं की लड़ाई की तरह, ट्रंप के प्रयास मध्य अमेरिका में अराजकता को और गहरा सकते हैं–जो अमेरिका को अधिक खतरे में डालेंगे।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सीएम ने फूड एंड ड्रग लैब का लोकार्पण किया

इंदौर में सुनाया गधे गुलाब जामुन खाते हैं... कहावत का किस्सा; ग्वालियर-जबलपुर में भी शुरू होगी लैब

भोपाल/इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को इंदौर प्रवास पर हैं। उन्होंने यहां तलावली चांदा स्थित न्यू फूड एंड ड्रग लैबोरेटरी का लोकार्पण किया। यह लैब लगभग 8.30 करोड़ रुपए की लागत से तैयार की गई है। यह अत्याधुनिक लैब खाद्य पदार्थों और औषधियों की जांच के लिए तैयार की गई है। यह मध्यप्रदेश की दूसरी ऐसी लैब है। अब तक प्रदेश के इस क्षेत्र से लिए गए सैंपल जांच के लिए भोपाल भेजे जाते थे, लेकिन अब इंदौर में ही जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्री तुलसीराम सिलावट के विधानसभा क्षेत्र में लैब शुरू होने से मिलावट पर लगाम लगेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कोई मिलावट करेगा तो उसे कड़ी सजा मिलेगी। सरकार शुद्ध खाद्य पदार्थों के प्रति पूरी तरह सजग है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गधे गुलाब जामुन खाते हैं कहावत का पीछे का किस्सा सुनाया। सीएम ने कहा कि इस कहावत का संबंध फतेहाबाद से है।उन्होंने बताया कि मालवा के लोग बदला लेना जानते हैं, और फतेहाबाद के गुलाब जामुन की कहानी उसी से जुड़ी है। फतेहाबाद में शाहजहां के बेटों के बीच युद्ध हुआ। शाहजहां अपने बेटे दारा शिकोह को गद्दी सौंपना चाहते थे। इसके विरोध में औरंगजेब ने अन्य भाइयों के साथ मिलकर फतेहाबाद में हमला किया। इस युद्ध में जीतने के बाद औरंगजेब ने सभी भाइयों, बेटों, भानजों, बहनों और रिश्तेदारों को मार दिया।इसके बदले में फतेहाबाद के लोगों ने गुलाब जामुन बनाना शुरू किया और उन्हें दिल्ली भेजा। इसके बाद यह कहावत प्रचलित हुई कि देखो, गधे गुलाब जामुन खा रहे हैं।

छठ पर्व की दी शुभकामनाएं

इधर, मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने इंदौर में प्रदेश वासियों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल और पूर्वोत्तर में ही नही पूरे देश मे हर्षोल्लास और परंपरागत रूप से मनाए जाने वाला पर्व है।

विकास कार्यों का शुभारंभ और भूमिपूजन- मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि मुख्यमंत्री विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 3 और 4 में अमृत-2.0 योजना और मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना निर्माण योजना के तहत 55 करोड़ रुपए से अधिक लागत के विकास कार्यों का शुभारंभ करेंगे। अमृत-2.0 योजना के अंतर्गत छावनी चौराहा से चंद्रभागा ब्रिज तक लगभग 6 करोड़ रुपए की लागत से 3.0 किमी लंबी (300 मिमी से 900 मिमी व्यास) सीवर लाइन बिछाई जाएगी। इससे क्षेत्रवासियों को जलमल निकासी की बेहतर सुविधा मिलेगी और कान्ह नदी शुद्धिकरण में भी सहायता मिलेगी। इसी योजना के तहत विधानसभा क्षेत्र 4 के सुदामा नगर सेक्टर डी और ई में लगभग 30 करोड़ रुपए की लागत से 34.235 किमी लंबी सीवर लाइन बिछाने का कार्य शुरू होगा। साथ ही रामबाग चौराहा से अहिल्या आश्रम होते हुए रिवर फ्रंट तक लगभग 19.25 करोड़ रुपए की लागत से 1.13 किमी लंबा सौंदर्यीकरण कार्य किया जाएगा।

छठ पूजा- शाम होते ही सूर्य को अर्घ्य दिया

- **देशभर में घाटों पर थी खास तैयारियां ,पीएम मोदी आज दिल्ली के वासुदेव घाट पर जा सकते हैं**

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में छठ का महापर्व मनाया जा रहा है। खरना के साथ ही व्रतियों के 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो चुका है। छठ महापर्व के तीसरे दिन यानी सोमवार शाम को सूर्य को अर्घ्य दिया । दिल्ली, मुंबई समेत देश के कई शहरों के घाटों में इसको लेकर विशेष तैयारियां की गई है। मुंबई और ठाणे में 83 स्थानों पर सामूहिक छठ पूजा का आयोजन होगा। जुहू बीच पर चार अ ल ग - अ ल ग संगठनों ने छठ पूजा का आयोजन किया है। राजधानी दिल्ली में करीब 1300 घाटों पर छठ पूजा का आयोजन हो रहा है, जिनमें 17 प्रमुख घाट यमुना नदी के किनारे बनाए गए हैं। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली के वासुदेव घाट पर छठ पूजा में शामिल हो सकते हैं। चर्चा है कि वह उदीयमान सूर्य को अर्घ देंगे। इसके अलावा अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन समेत दुनियाभर के कई देशों में भी छठ मनाई जा रही है। फिजी, सूरीनाम, मॉरिशस, त्रिनिनाद-टोबेगो में भी बड़ी संख्या में भारतीय आबादी रहती है, यहां भी छठ पूजा का आयोजन किया गया है।

सुप्रभात

साँप पालने वाली लड़की साँप काटे से मरती है
गले में खिलौना आला लगा डॉक्टर बनने का
स्वाँग करती लड़की
ग़लत दवा की चार बूँदें ज्यादा पीने से
चिड़ियों में धँसी लड़की उसकी
लपट से मर जाती है
और पानी में छप्-छप् करने वाली
उसमें डूब कर
जो ज़ोर से उछलती है वह अपने
उछलने से मर जाती है
जो गुमसुम रहती है वह गुमसुम होने से
जिसके सिर पर ताज रखा वह उसके वज़न से
जिसके माथे पर ज़हीन लिखा
वह उसके ज़हर से
जो लोकल में चढ़ काम पर जाती है
वह लोकल में
जो घर में बैठ भिंडी काटती है वह घर में ही
दुनिया में खुलने वाली सुरंग में घुसती है जो
वह दुनिया में पहुँचने से पहले ही मर जाती है
बुरी लड़कियाँ मर कर नर्क में जाती हैं
और अच्छी लड़कियाँ भी स्वर्ग नहीं जातीं।

- गीत चतुर्वेदी

देश के 53वें चीफ जस्टिस बनेंगे जस्टिस सूर्यकांत

सीजेआई बीआर गवई ने नाम की सिफारिश की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीनियर जज जस्टिस सूर्यकांत देश के 53वें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया हो सकते हैं। मौजूदा चीफ जस्टिस भूषण आर गवई ने सोमवार को केंद्र सरकार इनके नाम की सिफारिश की। इसके साथ सीजेआई नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। परंपरा है कि मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश तभी करते हैं, जब उन्हें कानून मंत्रालय से ऐसा करने का कहा जाता है। मौजूदा सीजेआई गवई का कार्यकाल 23 नवंबर को खत्म हो रहा है।

उनके बाद जस्टिस सूर्यकांत 24 नवंबर को सीजेआई के तौर पर शपथ लेंगे। वे 9 फरवरी 2027 को रिटायर होंगे। उनका कार्यकाल लगभग 14 महीने का होगा। सुप्रीम कोर्ट के जज 65 साल की उम्र में रिटायर होते हैं।

चुनाव आयोग ने एसआईआर का किया ऐलान

राजस्थान, एमपी, यूपी समेत 12 राज्यों में आज से शुरु एसआईआर

- **7 फरवरी तक पूरा होगा, अगले साल चुनाव वाले बंगाल में एसआईआर, लेकिन असम में नहीं**
- **आज रात से फ्रीज हो जाएगी वोटर लिस्ट, तीन बार आपके घर आएगा बीएलओ**

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने देशभर में मतदाता सूची पुनरीक्षण यानी एसआईआर का ऐलान कर दिया है। सोमवार शाम को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इसकी घोषणा की। एसआईआर की शुरुआत पहले उन राज्यों से होगी, जहां अगले कुछ समय में चुनाव होने हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार में एसआईआर की तैयारी के आधार पर चयनित राज्यों में एसआईआर की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक पोलिंग बूथ पर 1000 वोटर होंगे। एसआईआर का दूसरा चरण 12 राज्यों व केंद्रशासित प्रदेश में शुरू होगा। इसमें अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

एसआईआर का क्या है शेड्यूल?- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि एसआईआर के दूसरे फेज की प्रक्रिया आज से शुरू होगी। प्रिंटिंग और ट्रेनिंग का काम 28 अक्टूबर 2025 से 3 नवंबर 2025 तक चलेगा। 4 नवंबर 2025 से 4 दिसंबर 2025 तक घर-घर जाकर मतदाताओं की जानकारी जुटाई जाएगी। वहीं 9 दिसंबर 2025 को मतदाता सूची का ड्राफ्ट पेश किया जाएगा। बता दें कि बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का कार्य पहले ही पूरा हो चुका है। वहां लगभग 7.42 करोड़ नामों वाली अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित कर दी गई थी। बिहार में छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा और नतीजे 14 नवंबर को आएंगे।

राज्य या लोकल बॉडी द्वारा तैयार फैमिली रजिस्टर- जमीन या हाउस अलॉटमेंट सर्टिफिकेट

इन दस्तावेजों की पड़ेगी जरूरत

● केंद्र या राज्य सरकार द्वारा जारी पेंशन पेमेंट ऑर्डर ● सरकारी या स्थानीय निकाय, बैंक, पोस्ट ऑफिस, एलआईसी द्वारा जारी सर्टिफिकेट ● बर्थ सर्टिफिकेट ● पासपोर्ट ● एजुकेशनल सर्टिफिकेट ● परमानेंट रेजिडेंस सर्टिफिकेट ● फॉरेस्ट राइट सर्टिफिकेट ● जाति प्रमाण पत्र एनआरसी

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि बिहार में एसआईआर की तैयारी के आधार पर चयनित राज्यों में एसआईआर की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि एक पोलिंग बूथ पर 1000 वोटर होंगे। एसआईआर का दूसरा चरण 12 राज्यों में शुरू होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा- बिहार में एसआईआर कामयाब रहा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि नतीजा सबके सामने है। बिहार में एसआईआर कामयाब रहा। दूसरे फेज में 12 राज्यों और टी की वोटर लिस्ट अपडेट करेंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c

न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

पुडुचेरी को मिली 25 ओलेक्ट्रा इलेक्ट्रिक बस

पुडुचेरी। पुडुचेरी रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (पीआरटीसी) ने 'स्मार्ट सिटी योजना' के तहत ओलेक्ट्रा निर्मित 25 नई इलेक्ट्रिक बसों को सेवा में उतारा। उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी और विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम ने हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। 9 मीटर लंबी इन बसों में 15 नॉन-एसी और 10 एसी बसें शामिल हैं, जो एक बार चार्ज होने पर करीब 200 किमी तक चलेंगी। इनका संचालन ईवी ट्रांस प्रा. लि. (एमईआईएल समूह) 12 वर्षों तक 'जीसीसी' मॉडल पर करेगा।ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के एमडी महेश बाबू ने कहा कि यह पहल पुडुचेरी के स्वच्छ और हरित सार्वजनिक परिवहन की दिशा में बड़ा कदम है। ओलेक्ट्रा की बसें देशभर में अब तक 440 मिलियन किमी चल चुकी हैं, जिससे 13.54 करोड़ लीटर डीज़ल की बचत और 36.28 करोड़ किलो कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आई है।

राहुल-तेजस्वी 29 अक्टूबर को ज्वाइंट रैली करेंगे

महागठबंधन का मेनिफेस्टो भी जारी होगा

नई दिल्ली/पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हैं। आज मंगलवार को छठ खत्म होते ही इसमें तेजी आएगी। प्रियंका गांधी मंगलवार को अपने प्रचार अभियान की शुरुआत कर रही हैं।

प्रियंका आज बेगूसराय आएंगी, जिले के बछवाड़ा में उनकी सभा होगी। वहीं राहुल गांधी के 29 अक्टूबर को तेजस्वी के साथ मुजफ्फरपुर और दरभंगा में ज्वाइंट रैली करेंगे।

बिहार चुनाव 2025 को लेकर महागठबंधन का घोषणापत्र तैयार हो गया है। पटना में आज (मंगलवार) शाम 4 बजे इसे जारी किया जाएगा, लेकिन इस मौके पर राहुल गांधी मौजूद नहीं रहेंगे।

देश में 24 घंटे में 3 सिस्टम एकसाथ एक्टिव

गुजरात के अमरेली में 2 घंटे में 6 इंच बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश से 15 अक्टूबर को मानसून की आधिकारिक विदाई हो चुकी थी, लेकिन 3 सिस्टम एकसाथ एक्टिव होने से इसका असर मध्य प्रदेश समेत 15 राज्यों में अगले 4 दिन तक नजर आएगा। यहां तेज हवाओं के साथ बारिश भी हो सकती है।

पिछले 24 घंटों से देश के 90 प्रतिशत इलाके में बादल छाए रहे। कहीं हल्की तो कहीं तेज बारिश भी हुई। मध्य प्रदेश, गुजरात, दक्षिण भारत के राज्यों में बारिश हुई।

मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम विक्षोभ एक्टिव होने से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में भी बारिश होगी। साथ ही 6 नवंबर के बाद बर्फबारी होने की संभावना है।

दिल्ली-एनसीआर में सांस लेना मुश्किल, घुट रहा लोगों का दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्दियां दस्तक दे रही हैं। इसी के साथ हवा में घुले जहर की मात्रा भी बढ़ गई है। पिछले एक दशक से सर्दियों का मौसम दिल्ली-एनसीआर समेत पूरे उत्तर भारत के लिए धुंध और वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर के लिए जाना जाता है। उत्तर भारत में देश की आबादी का बड़ा हिस्सा रहता है और खेती के लिहाज से सबसे उपजाऊ जमीन और पानी की प्रचुर उपलब्धता भी यहां है। पूरे उत्तर भारत में प्रदूषण का यह खतरनाक स्तर तब है, जब यह क्षेत्र औद्योगिकीकरण से कमोबेश अछूता है। सर्दियों से ठीक पहले हवा में घुले जहर की बात शुरू होती है। इसे नियंत्रित करने के लिए जिम्मेदार संस्थाएं हरकत में आती हैं। जैसे दिल्ली में कृत्रिम बारिश की तैयारी हो रही थी और कुछ तात्कालिक कदम उठाए जाते हैं।

जीडीपी में भी भारी नुकसान; करीब आधी आबादी दिल्ली छोड़ने को तैयार

प्रदूषण कैसे कर रहा लोगों को प्रभावित?

- काम पर न जाने का असर उन कर्मचारियों पर ज्यादा होता है, जिन पर परिवार के सदस्य आर्थिक तौर पर निर्भर हैं
- वायु प्रदूषण की वजह से कर्मचारियों की उत्पादकता घटती है, इससे कंपनियों का मुनाफा प्रभावित होता है ।
- कौशल वाली सेवाओं और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर इसका काफी असर पड़ता है।

कितना घातक है वायु प्रदूषण?

- 17 लाख असमय मौतें हुई भारत में 2019 में वायु प्रदूषण के कारण, समान अवधि में हुई कुल मौतों का 18 प्रतिशत।
- 4 प्रतिशत जीडीपी का नुकसान हो रहा है कोलकाता को वायु प्रदूषण से।
- 1.3 प्रतिशत की गिरावट के लिए जिम्मेदार है वायु प्रदूषण भारत के उपभोक्ता खर्च में।
- 7.1 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है अंतरराष्ट्रीय पर्यटन के सेगमेंट में।

देवास से 1.25 करोड़ चोरी का आरोपी धार से गिरफ्तार

बस में सवार छतरपुर के मुनीम का नोटों का भरा बैग ले गया था; गड्डियां बरामद

देवास (नप्र)। देवास पुलिस ने सोमवार को 1.25 करोड़ की चोरी का खुलासा कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह चोरी छतरपुर के एक सराफा कारोबारी के मुनीम के साथ सोनकच्छ थाना क्षेत्र में हुई थी। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई पूरी रकम बरामद कर ली है। फरियादी आशीष गुप्ता, निवासी नौगांव, जिला छतरपुर ने 25 अक्टूबर 2025 को देवास एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर 2025 को दीपावली के मौके पर सोने-चांदी की खरीदी के लिए उन्होंने अपने मुनीम नितेश कुमार सेज को महाकाल बस से 1.25 करोड़ देकर इंदौर भेजा था।

17 अक्टूबर 2025 की सुबह करीब 5:30 बजे, बस सोनकच्छ स्थित पप्पू एंड पप्पू रिसोर्ट पर रुकी। मुनीम नितेश सेन फ्रेश होने के लिए बस से उतरे। जब वह वापस आए, तो उन्होंने देखा कि पैसों से भरा उनका बैग सीट पर नहीं था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए, सोनकच्छ थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। तीन विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने तकनीकी और भौतिक साक्ष्यों के साथ-साथ मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया।

सीसीटीवी में बैग चुराते दिखा था बदमाश

पुलिस ने बस के अंदर और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें दो अज्ञात आरोपी बैग चुराते हुए दिखाई दिए। फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान धार जिले के धरमपुरी क्षेत्र के निवासियों के रूप में हुई। देवास और धार पुलिस ने धार एसपी मयंक अवस्थी से समन्वय स्थापित कर धरमपुरी में संयुक्त दबिश दी।

दबिश के दौरान आरोपी नामदार पिता शहजाद खान (35 वर्ष, निवासी खेरवा जागीर, मनावर, जिला धार) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई पूरी रू. 1.25 करोड़ की रकम बरामद की, जिसमें 500-500 रुपए के नोटों की कुल 250 गड्डियां थीं।

पूछताछ में आरोपी नामदार ने अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। उसने बताया कि इस घटना के लिए उन्होंने महिंद्रा एसयूवी-300 कार का इस्तेमाल किया था। आरोपी के बयान के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सतना की वसुंधरा का कॉमनवेल्थ-आसियान शिखर सम्मेलन में चयन

मलेशिया में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व; पूर्व सांसद रामानंद सिंह की पोती हैं

सतना (नप्र)। सतना की युवा शोधार्थी वसुंधरा सिंह कॉमनवेल्थ-आसियान शिखर सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। यह सम्मेलन मलेशिया के

कुआलालंपुर में आज 28 अक्टूबर को होने वाला है। वसुंधरा विंध्य क्षेत्र की एकमात्र ऐसी शख्सियत हैं, जिन्हें यह अवसर मिला है। सम्मेलन में कॉमनवेल्थ और आसियान सदस्य देशों के प्रधानमंत्री, मंत्री, राजनयिक, नीति-निर्माता और युवा नेता हिस्सा लेंगे।

इस वर्ष सम्मेलन का विषय 'सहयोग, नवाचार और भविष्य की साझेदारी' निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सदस्य देशों के बीच क्षेत्रीय सहयोग, नवाचार, जलवायु परिवर्तन, शिक्षा और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।वसुंधरा सिंह की यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है।

पूर्व सांसद रामानंद सिंह की पोती हैं वसुंधरा- वसुंधरा सिंह सतना लोकसभा के पूर्व सांसद दिवंगत रामानंद सिंह की पोती और राजवंत सिंह की बेटी हैं। वह वर्तमान में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त, वसुंधरा मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की क्षेत्रीय छात्रा प्रमुख का दायित्व भी संभाल रही हैं।संगठन में उनका लंबा अनुभव है, जिसमें नरसिंहपुर की पूर्व विभाग संगठन मंत्री, प्रांत छात्रा प्रमुख और जिला संगठन प्रमुख जैसे पद शामिल हैं। वसुंधरा कटनी में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं।

भाकपा -जनहित के मुद्दों पर आन्दोलन की तैयारी

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा जन हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर आगामी महीनों में आन्दोलन किया जाएगा। भाकपा की विगत 25 और 26 अक्टूबर 2025 को भोपाल में आयोजित राज्य परिषद की बैठक में तत्संबंधी निर्णय लिए गए । भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने एक विज्ञप्ति में बताया कि दलितों ,वंचितों , आदिवासियों और अल्प संख्यकों पर लगातार बढ़ते जा रहे अत्याचार और प्रताड़ना की वारदातों के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के देश व्यापी आन्दोलन के आव्हान के तहत 18 नवम्बर को मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा जाएगा।

मध्य प्रदेश में बिजली के स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही धांधली, जनता की लूट- आयुष्मान कार्ड की योजना में हो रहे भारी भ्रष्टाचार के खिलाफ आगामी महीनों में भाकपा द्वारा आन्दोलन किया जाएगा । मध्य प्रदेश में राज्य परिवहन निगम पुनः शुरू करने की मांग को लेकर भाकपा ने विगत वर्ष राज्य व्यापी आन्दोलन किया था। उसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने राज्य परिवहन निगम पुनः शुरू करने की घोषणा तो की थी लेकिन उस पर अभी तक अमल नहीं हो पाया है।भाकपा द्वारा इस मुद्दे पर पुनः आन्दोलन किया जाएगा।भाकपा के शताब्दी वर्ष के समारोह भी मध्य प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे ।भाकपा द्वारा अपने दिवंगत वरिष्ठ नेता कॉमरेड होमी दाजी और कॉमरेड महेन्द्र बाजपेई के जन्म शताब्दी समारोह भी अगले वर्ष मध्य प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे ।

भोपाल निगम के सफाईकर्मियों ने दुकानदार को पीटा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के एमपी नगर जोन-1 में कचरे को लेकर हुए विवाद के बाद नगर निगम के सफाईकर्मी फैजान खान और उसके साथियों ने एक दुकानदार के साथ मारपीट कर दी। घटना दीपावली की रात की है। जिसका सोमवार को सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। दुकानदार की शिकायत पर फैजान सहित अन्य 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।एमपी नगर पुलिस के मुताबिक 35 वर्षीय अनूप व्यास एमपी नगर जोन-2 में मां वैष्णो आर्ट्स एंड ग्राफिक्स नाम से शॉप का संचालन करते हैं। उन्होंने एफआईआर दर्ज कराते हुए बताया कि 20 अक्टूबर को दीपावली की रात दुकान में पूजन के बाद बाहर बैठे थे।तभी वहां नगर निगम का कचरा वाहन आया। वाहन चालक ने आते ही पटाखों का कचरा देखकर अपशब्द कहना शुरू कर दिया। तब हमने जवाब दिया कि कचरा किसने फेंका इसकी जानकारी नहीं है, लेकिन गालियां मत दो।

पीएम किसान-सम्मान निधि की 21वीं किस्त नवंबर में जारी होगी

पीएम मोदी करीब 10 करोड़ किसानों के खाते में 2-2 हजार रुपए ट्रांसफर करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त नवंबर के पहले हफ्ते में जारी की जा सकती है। देशभर के 10 करोड़ से ज्यादा किसानों को इसका फायदा मिलेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये किस्त बिहार विधानसभा चुनाव (6 और 11 नवंबर) से ठीक पहले जारी की जा सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक कोई आधिकारिक तारीख घोषित नहीं की है।

केवाईसी समेत अन्य औपचारिकताएँ पूरी करें राज्य: शिवराज- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हाल ही में कहा था कि जल्द ही किसानों के खातों में 2,000 रुपए की अगली किस्त जमा की जाएगी।

सभी राज्य सरकारों से अपील की है कि वे आधार सीडिंग, ई-केवाईसी और अन्य जरूरी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरी करें ताकि भुगतान में देरी न हो।

बांग्लादेश ने पूर्वोत्तर राज्यों को अपना हिस्सा बताया

- मोहम्मद यूनुस ने पाक आर्मी जनरल को विवादित नक्शा गिफ्ट किया

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने पाकिस्तानी जनरल साहिर शमशाद मिर्जा को एक विवादित नक्शा गिफ्ट किया है। इस नक्शे में भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया है। इसके चलते विवाद बढ़ गया है।

पाकिस्तान जॉइंट चीफ्स स्टाफ कमेटी के चेयरमैन साहिर शमशेद मिर्जा पाकिस्तानी सेना में आसिफ मुनीर के बाद नंबर दो के अधिकारी हैं। माना जा रहा है कि मुनीर के बाद मिर्जा ही पाकिस्तानी सैन्य प्रमुख बन सकते हैं। उन्होंने मोहम्मद यूनुस से शनिवार देर रात मुलाकात की। यूनुस ने पाकिस्तानी अधिकारी को 'आर्ट ऑफ ट्रायम्फ' नाम की किताब गिफ्ट की।

मुस्तफाबाद नहीं अब 'कबीरधाम' कहिए...

सीएम योगी ने किया ऐलान, विपक्ष के 'सेक्युलरवाद' को ठहराया 'पाखंड'

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखीमपुर खीरी के मुस्तफाबाद में विश्व कल्याण आश्रम पहुंचकर 'स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025' में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने संतों को नमन किया और मुस्तफाबाद का नाम बदलकर 'कबीरधाम' करने की घोषणा की। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण कर रही है, जबकि पिछली सरकारें यही धन कब्रिस्तान की दीवारों पर खर्च करती थीं। उन्होंने अयोध्या को फैजाबाद, प्रयागराज को इलाहाबाद और कबीरधाम को मुस्तफाबाद बनाने को विपक्ष का पाखंड बताया। मुख्यमंत्री ने संत कबीरदास की वाणी की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि उनकी निर्गुण भक्ति ने समाज की कुरीतियों को दूर कर आत्मा-परमात्मा का सरल संदेश दिया।

ओवरलोड मालगाड़ी में कोयला हाईटेंशन लाइन से टकराया

- मप्र अनूपपुर स्टेशन पर चिंगारियां निकलीं, तार टूटकर गिरे; बिना जांच रवाना कर दी ट्रेन

अनूपपुर (एजेंसी)। अनूपपुर रेलवे स्टेशन पर मालगाड़ी में भरा कोयला हाईटेंशन लाइन से टकरा गया। इससे जोरदार धमाके के साथ चिंगारियां निकलीं। बिजली के तार टूटकर पटरी पर गिर गए। बताया जा रहा है कि मामले में जिम्मेदार अफसरों ने बिना जांच किए और लेवलिंग करवाए मालगाड़ी को रवाना कर दिया। हालांकि, मालगाड़ी प्लेटफॉर्म के बीच वाले लूप ट्रैक पर थी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रेलकर्मियों ने

तुरंत कार्रवाई करते हुए मालगाड़ी को प्लेटफॉर्म नंबर 4 के अतिरिक्त यार्ड में खड़ा कर दिया। हादसा सोमवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। इस ट्रैक की कई पैसेंजर और गुड्स ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। उनमें से कुछ को जैतहरी, छुलहा और मौहरी रेलवे स्टेशनों पर रोका गया, जबकि कुछ का रूट डायवर्ट कर दिया गया। जिस वक्त हादसा हुआ, उसी दौरान प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर रीवा-चिरमिरी पैसेंजर ट्रेन खड़ी थी।

एक्टर विजय ने करूर भगदड़ पीड़ितों से मुलाकात की, 37 परिवार पहुंचे

महाबलीपुरम (एजेंसी)। तमिल एक्टर और तमिलगा वेत्रि कझगम प्रमुख विजय ने करूर भगदड़ हादसे के पीड़ित परिवारों से सोमवार को महाबलीपुरम के रिसॉर्ट में मुलाकात की। हादसे को आज ठीक एक महीना पूरा हो गया है। रिसॉर्ट में करीब 200 लोग पहुंचे। इनमें 37 पीड़ित परिवार और कुछ घायल भी शामिल हैं। हर परिवार से चार से पांच सदस्य आए हैं। एक्टर विजय ने हर परिवार से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी बात सुनी। उधर, मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को राज्य में राजनीतिक दलों सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए 10 दिनों के भीतर स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल तैयार करने का निर्देश दिया है।

आजम बोले- जेल बदली तो लगा एनकाउंटर हो जाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा नेता आजम खान को जेल बदले जाने के दौरान एनकाउंटर का डर सता रहा था। इसका खुलासा उन्होंने खुद किया। कहा- एक रात करीब साढ़े तीन बजे उन्हें सोते से उठाया गया। उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला के लिए जेल के बाहर अलग-अलग गाड़ियां लाई गईं। मैं जेल में सुनता था कि बाहर एनकाउंटर हो रहे हैं। मैंने अब्दुल्ला को गले लगाया। कहा- बेटे, जिंदगी रही तो मिलेंगे, नहीं रही तो ऊपर मिलेंगे। मुझे यकीन नहीं था कि हम दोबारा मिल पाएंगे। आजम खान ने यह बातें राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल को दिए एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहीं।

सीजेआई पर जूता फेंकने वाले पर अवमानना कार्रवाई नहीं

- सुप्रीम कोर्ट बोला-वकील को महत्व न दें; ऐसी घटनाएं रोकने के लिए गाइड लाइन पर विचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट सीजेआई बीआर गवई की ओर जूता फेंकने वाले वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई नहीं करेगा। कोर्ट ने सोमवार (27 अक्टूबर) को कहा कि खुद सीजेआई ने आरोपी वकील राकेश किशोर पर कार्रवाई से इनकार कर दिया है, इसलिए मामले को आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। हालांकि कोर्ट ने कहा कि वह भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए गाइड लाइन तय करने पर विचार करेगा।

आंगनवाड़ी केन्द्रों में नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करें : मंत्री सुश्री भूरिया

हितग्राहियों के पंजीयन और पोषण ट्रैकर की मॉनिटरिंग को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश

भोपाल (नप्र)। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में संचालित सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए ताकि सेवाओं में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों का पंजीयन और पोषण ट्रैकर की मॉनिटरिंग नियमित रूप से सुनिश्चित की जाए। इस कार्य को विभागीय स्तर पर एक अभियान के रूप में संचालित किया जाए जिससे प्रदेश में प्रत्येक पात्र महिला, गर्भवती, धात्री माता और बच्चों को योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त हो सके।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित (ऑपरेशन रहित) प्रसव सुनिश्चित करने के लिये प्रसव की नियत तिथि के चार दिवस पूर्व शासकीय चिकित्सालयों में ठहरने के लिये वार्ड चिन्हांकित किए जाएं। इस कार्य के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के 25,239 भवनविहीन आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए नवीन भवन निर्माण की योजना तैयार की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक प्रतिवर्ष 3,000 नए आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण प्रस्तावित है मंत्रि परिषद से स्वीकृति के लिये प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव श्री मनीष सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में अनेक नवाचार किए हैं जिनकी जानकारी भारत सरकार को भी होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम का प्रभावी अनुश्रवण करें, साथ ही आंगनवाड़ी केंद्रों में मेडिकल किट का नियमित रूप से परीक्षण किया जाए।

आयुक्त महिला एवं बाल विकास श्रीमती निधि निवेदिता ने बैठक में कहा कि शहरी क्षेत्रों की सुपरवाइज़र यह सुनिश्चित करें कि आंगनवाड़ी केंद्र समय पर खुल रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब विभाग की ओर से ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किया जा रहा है जिससे यह पता चल सके कि आंगनवाड़ी केंद्र माह में कितने दिन संचालित रहा। सितंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार 97,791 में से 99.11 प्रतिशत केंद्र 21 से 24 दिवस तक खुले जबकि 91.16 प्रतिशत केंद्र माह में 25 दिवस से अधिक खुले रहे। यह अवधि मध्य जोनल क्षेत्र में सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि 11,786 आंगनवाड़ी केंद्रों को शासकीय भवनों में स्थानांतरित किया गया है तथा 21,954 एक कमरे वाले केंद्रों को सुविधायुक्त भवनों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है।

मोहन-शिवराज बिहार में बीजेपी के स्टार प्रचारक

कांग्रेस के कैम्पेनर्स में दिग्विजय और जीतू, पहले चरण के चुनाव में करेंगे प्रचार

भोपाल (नप्र)। बीजेपी के स्टार प्रचारकों की लिस्ट में एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को स्टार प्रचारक बनाया गया है। बिहार चुनाव के लिए दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को वोटिंग होगी। मतगणना 14 नवंबर को होगी।

दिग्गी और जीतू कांग्रेस के स्टार कैम्पेनर

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के लिए जारी की गई स्टार प्रचारकों की सूची में मध्य प्रदेश के नेताओं में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को ही स्टार कैम्पेनर बनाया गया है।

अब बीजेपी के 40 स्टार प्रचारकों के नाम पढ़िए- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, धर्मेंद्र प्रधान, गिरिराज सिंह और शिवराज सिंह चौहान,असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के

मुख्यमंत्री मोहन यादव भी बिहार चुनाव में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए चुनाव प्रचार करेंगे।

6 और 11 नवंबर को मतदान, मतगणना 14 नवंबर को

बिहार विधानसभा चुनाव का पहला चरण 6 नवंबर को और दूसरा चरण 11 नवंबर को होगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस चुनाव में मुख्य मुकाबला भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) (जदयू) के नेतृत्व वाले एनडीए और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले महागठबंधन के बीच माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दी छठ पूजा की शुभकामनाएं

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान सूर्य की उपासना एवं लोक आस्था के पावन महापर्व 'छठ पूजा' के अवसर पर शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह दिव्य पर्व मानव और प्रकृति के बीच आस्था, कृतज्ञता और संतुलन का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छठी मईया से सभी माताओं-बहनों और देशवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की है।

कोदो – कुटकी उपार्जन के पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ाई गई

भोपाल (नप्र)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों के हित में कोदो- कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा 16 जिलों जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मैहर, सतना, मऊगंज, बालाघाट एवं सिवनी में कोदो एवं कुटकी उपार्जन किया जाना है। खरीफ वर्ष 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 से 24 अक्टूबर 2025 तक पंजीयन किए जाने का निर्णय लिया गया था। अब तिथि को बढ़ाकर 31 अक्टूबर तक किया गया है।

जश्ने चराग़ाँ कार्यक्रम आज भोपाल में

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, संस्कृति परिषद, संस्कृति विभाग द्वारा सूफ़ी सूफ़ियाना में जश्न-ए-चराग़ाँ के अंतर्गत रक्से जुनूँ/ नृत्य प्रस्तुति, नग़्मा-ए-रूह- सांगीतिक प्रस्तुति एवं व्याख्यान का आयोजन 28 अक्टूबर, 2025 को सायं 6:30 बजे अंजनी सभागृह रवीन्द्र भवन पॉलिटेक्निक चौराहा, भोपाल में किया जाएगा। मप्र उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने आयोजन के बारे में बताया कि ये कार्यक्रम तीन सत्रों में होगा। प्रथम सत्र में व्याख्यान के तहत उर्दू साहित्य में चराग़े रूहानियत विषय पर सुप्रसिद्ध सूफ़ी शायर एवं साहित्यकार ज़िया अल्वी लखनऊ अपने विचार व्यक्त करेंगे। दूसरे सत्र में नग़्मा-ए-रूह के तहत सुप्रसिद्ध ग़ज़ल गायक अनवर हुसैन, जबलपुर सांगीतिक प्रस्तुति देंगे। अंतिम सत्र में रक्से जुनूँ के तहत अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथक नृत्यांगना डॉ. वी अनुराधा सिंह, भोपाल अपने दल के साथ नृत्य की प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम का संचालन समीना अली सिद्दीकी द्वारा किया जाएगा। व्याख्यान में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों, शोधार्थियों और अध्यापकों को प्रमाण-पत्र दिये जाएंगे। डॉ. नुसरत मेहदी ने भोपाल के साहित्य एवं कला प्रेमियों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

पत्थर लेकर कार पर टूट पड़ी महिला, कांच-बोनट तोड़ा

सागर में जनपद पंचायत सदस्य की गाड़ी में तोड़फोड़, कहा- जमीन से हमारा नाम कटवा दिया

सागर (नप्र)। सागर के जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में खड़ी जनपद पंचायत सदस्य राघवेन्द्र सिंह की कार में एक महिला ने पत्थर से तोड़फोड़ कर दी। महिला ने पत्थर मारकर कार के शीशे और बोनट को क्षतिग्रस्त कर दिया। ये घटना सोमवार की है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। महिला के तोड़फोड़ करने के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जमा हो गई। बाद किसी तरह समझाइश देकर महिला को शांत कराया गया। महिला ने अपना नाम छोटी बाई बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि जनपद सदस्य राघवेन्द्र सिंह ने हमारी जमीन से नाम कटवा दिए हैं।

कलेक्टर-एसपी से शिकायत की, कोई कार्रवाई नहीं हुई-

महिला का कहना है कि कलेक्टर से लेकर एसपी और थाने में शिकायत कर चुकी हूं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। जमीन जोतने जाओ तो वह लोग मारने के लिए खड़े रहते हैं। परेशान हो गई हूं। घटनाक्रम के बाद क्षतिग्रस्त कार जनपद कार्यालय परिसर के पास खड़ी है। कार मालिक मौके पर नहीं पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुगूँज का शुभारंभ

शासकीय विद्यालयों के 500 विद्यार्थी करेंगे अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों की सहभागिता से आयोजित किये जाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम 'अनुगूंज' का आयोजन मंगलवार 28 अक्टूबर को भोपाल स्थित शासकीय सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय, शिवाजी नगर में शाम 5:30 बजे से होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे। जनजातीय कल्याण मंत्री कुँवर विजय शाह एवं स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

अनुगूँज के प्रथम भाग 'धनक' के अंतर्गत वाद्य संगीत के साथ ही भारत के विविध शास्त्रीय नृत्य ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और मणिपुरी नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियाँ होंगी। कार्यक्रम के द्वितीय भाग 'रंगकार' के अंतर्गत 'नाटक ताना बाना टूट न जाए' का मंचन विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के सहभागी विद्यार्थियों ने एक माह की अल्पावधि में इन प्रस्तुतियों के लिए खुद को तैयार किया है। आत्मानुशासन, लगन, उत्साह और जोश के साथ भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न अंचलों से शासकीय विद्यालयों के लगभग 500 विद्यार्थियों ने अपनी अभिव्यक्ति को नए सोपान देने का प्रयास अनुगूँज में किया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अनुगूँज के आकल्पन को आकार देने के लिए प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त रंगकर्मी और कलाकारों को मेंटर्स के रूप में संयोजित किया गया है। इन मेंटर्स ने एक कुशल मार्गदर्शक के रूप में इस विशेष कार्यक्रम और भविष्य के लिए भी विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं में पारंगत कराया है।

उल्लेखनीय है कि अनुगूँज समारोह स्कूल शिक्षा विभाग का एक रचनात्मक प्रयास है जो विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके रचनात्मक और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे है।

इनमें सुप्रसिद्ध संगीतकार मॉरिस लाजरस, ओडसी नृत्य की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्य गुरू सुश्री बिंदु जुनेजा, भरतनाट्यम शैली की शीर्षस्थ नृत्य गुरू सुश्री भारती होम्बल, ख्याति प्राप्त कथक नृत्य गुरू श्रीमती पद्मजा रघुवंशी और मणिपुरी नृत्य शैली के प्रसिद्ध आचार्य और राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त नृत्य गुरू श्री एम.के. होजाइनगम्बा सिंह, ख्यात रंग निदेशक श्री सादात भारती के साथ ही प्रसिद्ध मंच संचालक श्री विनय उपाध्याय जैसे शीर्षस्थ कला मनीषी शामिल हैं। एक भारत-श्रेष्ठ भारत की अवधारणा पर सजी अनुगूँज की इन प्रस्तुतियों को साकार करने के लिए देश की विभिन्न प्रदर्शनकारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के प्रदर्शन के लिये विशाल मंच का निर्माण महाकाल की नगरी उज्जैन के महाकाल लोक के मॉडल पर तैयार किया गया है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने राजभवन में सौजन्य भेंट की।

महिला क्रिकेटरों के साथ छेड़खानी की घटना में मंत्री विजयवर्गीय का बयान जंगलराज का प्रमाण: जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने विदेशी महिला क्रिकेटरों के साथ हुई छेड़खानी की घटना पर राज्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान की कड़ी निंदा की है। मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को होटल से बाहर निकलते समय स्थानीय अधिकारियों को सूचित करने और सावधानी बरतने की सलाह दी है, जिसे श्री पटवारी ने महिलाओं की सुरक्षा में सरकार की नाकामी का स्पष्ट प्रमाण बताया है। श्री पटवारी ने कहा, विदेश से आई महिला क्रिकेटर अगर बाहर घूमने या बातचीत करने जातीं तो उनके साथ कितनी महिला कांस्टेबल साथ रहेंगी? मंत्री का यह बयान स्वीकार करता है कि सरकार सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ है। अगर खिलाड़ी 'ओपन' घूमेंगे तो सुरक्षा नहीं दी जा सकेगी–यह तो खुला जंगलराज है! महिलाओं की सुरक्षा का वादा करने वाली भाजपा सरकार इसे निभा नहीं पा रही। यह भारतीय जनता पार्टी के चाल, चरित्र और चेहरे को उजागर करता है, जहां कानून-व्यवस्था की अराजकता मंत्री के मुंह से फूट-फूटकर चिल्ला रही है। अगर महिलाएं खुलकर घूम नहीं सकतीं, तो यह प्रदेश में पूर्ण जंगलराज का प्रमाण है।

किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर फसल ऋण योजना निरंतर जारी रहेगी

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के लिये सहकारी बैंकों के माध्यम से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण देने की योजना को निरंतर रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। जारी आदेशानुसार खरीफ 2025 सीजन के लिये देय तिथि 28 मार्च 2026 तथा रबी 2025-26 सीजन के लिये देय तिथि 15 जून 2026 नीयत की गई है। राज्य शासन द्वारा अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों को गत वर्ष के समान 1.5 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान तथा खरीफ एवं रबी सीजन की निर्धारित देय तिथि तक ब्रण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप (अतिरिक्त ब्याज अनुदान) दिया जायेगा।

प्रदेश सरकार बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए दृढ़ संकल्पित है : मंत्री श्री चौहान

आलीराजपुर के उमराली में 136 छात्राओं को नि :शुल्क साइकिल की वितरित

भोपाल (नप्र)। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश सरकार बच्चों के भविष्य को संवारने के लिए दृढ़ संकल्पित है। शिक्षा के माध्यम से ही बच्चों को सशक्त बनाकर एक सभ्य समाज की स्थापना संभव है। मंत्री श्री चौहान आलीराजपुर जिले के सोंडवा विकासखंड अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उमराली में निःशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में निःशुल्क साइकिल वितरण एक महत्वपूर्ण पहल है। लंबी दूरी तय कर विद्यालय आने वाली छात्राओं के लिए अब शिक्षा प्राप्त करना और भी सुगम एवं सुरक्षित होगा। यह पहल बेटियों में आत्मनिर्भरता, नियमितता और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी।

सायबर सुरक्षा में मध्यप्रदेश ने रचा नया इतिहास

एमपी-सीईआरटी बनी राष्ट्रीय नेतृत्व की मिसाल

एमपी-सीईआरटी ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल (नप्र)। विश्व में अक्टूबर माह को 'सायबर सिक्योरिटी अवेयरनेस मंथ' के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य जन-सामान्य को इस दिशा में जागरुक बनाने का है कि डिजिटल सुरक्षा केवल विशेषज्ञों की नहीं, बल्कि हर नागरिक और हर संस्था की सामुहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश साइबर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (एमपी-सीईआरटी) ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए न केवल राज्य, बल्कि देशभर में नई मिसालें कायम की हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया जिसने सायबर भारत सेतु, राष्ट्रीय साइबर अभ्यास का सफल आयोजन किया।

एमपी-सीईआरटी ने स्थापना के बाद से अब तक 24 से अधिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। इनमें राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इन सत्रों का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को सायबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से जोड़कर उन्हें दैनिक कार्यप्रणाली में डिजिटल सुरक्षा के उपायों के प्रति संवेदनशील बनाना रहा है।

एमपी-सीईआरटी ने रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर जिलों में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए। यहां कर्मचारियों को संबंधित जिला कलेक्टर्स के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन कार्यक्रमों का नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं एमपी-सीईआरटी के निदेशक श्री संजय दुबे ने किया।

एमपी-सीईआरटी ने सितंबर 2025 में 'सायबर भारत सेतु' नामक राष्ट्रीय सायबर अभ्यास का सफल आयोजन किया। सीईआरटी-इंडिया और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से हुये इस आयोजन से मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया जिसने इस स्तर का प्रशिक्षण आयोजन किया। इस अभ्यास से सिद्ध हुआ कि मध्यप्रदेश सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

नीति-निर्माताओं और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए विशेष आवासीय प्रशिक्षण- एमपी-सीईआरटी अब इस आधार पर आगे बढ़ते हुए समूह-अ और समूह-ब अधिकारियों तथा नीति- निर्माताओं के लिए तीन दिवसीय रेजिडेंशियल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह प्रशिक्षण अभ्यास 27 से 29 अक्टूबर 2025 तक नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, (एनएफएसयू), गांधीनगर, गुजरात में आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को सायबर सुरक्षा की समग्र समझ, वैश्विक प्रवृत्तियों, साइबर रक्षा की सर्वोतम रणनीतियों और नीति निर्माण की संरचनाओं की गहन जानकारी प्रदान करना है, जिससे शासन के हर स्तर पर सुरक्षा संस्कृति को सशक्त किया जा सके।

राज्य में सायबर सुरक्षा नेटवर्क के लिये 175 मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों की नियुक्ति- एमपी-सीआईआरटी की रणनीति का मूल आधार 'विकेन्द्रित सतर्कता' (डीसेंट्रलाइज्ड विजिलेंस) है। राज्य सरकार ने अब तक 175 मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (सीआईएसओ) की नियुक्ति विभागीय और जिलास्तर पर की है। ये अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि सायबर सुरक्षा केवल आईटी इकाइयों तक सीमित न रहे, बल्कि यह हर नीति, प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यप्रवाह का हिस्सा बने। इस नेटवर्क को और मज़बूत करने के लिए एक एकीकृत सीआईएसओ पोर्टल लॉन्च किया गया है। इससे जोखिम, घटनाओं, और संबंधित परामर्शों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग में सहायता मिलेगी। जल्द ही जिलों में भी ई-गवर्नेंस प्रबंधकों (डी ई-जीएम) का भी नोमिनेशन किया जायेगा। उन्हें भी अपने जिलों के सीआईएसओ के रूप में नामित किया जाएगा। इससे राज्य स्तर पर प्रशिक्षित सायबर सुरक्षा नेतृत्व का एक विस्तृत नेटवर्क तैयार होगा।

सॉफ्टवेयर बिल ऑफ मटेरियल (एसबीओएम): कोड सुरक्षा में अभिनव कदम- एमपी-सीईआरटी की सबसे प्रभावशाली तकनीकी में से एक सॉफ्टवेयर बिल ऑफ मटेरियल्स पद्धति का उपयोग है। यह प्रणाली सॉफ्टवेयर के घटकों की सूची तैयार करती है। इससे कमजोर या पुराने मॉड्युल्स की पहचान कर उन्हें समय रहते अपडेट किया जा सकता है। इससे नेशनल वल्नरेबिलिटी डेटाबेस (एनवीडी) के साथ समन्वय कर सुरक्षा खामियों की पहचान और समाधान की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अक्टूबर 2025 तक 12 हज़ार से अधिक वल्नरेबिलिटी सफलतापूर्वक ठीक की जा चुकी हैं। साथ ही, नेशनल क्रिटिकल इंफोर्मेशन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोटेक्शन सेंटर (एनसीआईआईपीसी) के साथ मिलकर 120 से अधिक उच्च-प्राथमिकता वाले मुद्दों का समाधान किया जा चुका है।

अनाधिकृत विज्ञापनों और सरकारी पोर्टल सुरक्षा पर कार्रवाई- इंडियन सायबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर (आईसीसीसी), गृह मंत्रालय की रिपोर्ट पर एमपी- सीईआरटी ने सरकारी वेबसाइटों पर पाए गए अनाधिकृत ऑनलाइन सट्टेबाज़ी (बेटिंग) विज्ञापनों के मामलों में भी तत्परता दिखाई है। सरकारी पोर्टलों में मिले इन विज्ञापनों में से 40 से अधिक मामलों का निवारण एमपी-सीईआरटी की टीम ने त्वरित रूप से किया है।

सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक जन-जागरूकता- एमपी-सीईआरटी न केवल तकनीकी मोर्चे पर, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी साइबर सुरक्षा जागरूकता को बढ़ा रहा है। संस्था नियमित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से पासवर्ड सुरक्षा, फिशिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी, डिजिटल लेनदेन सुरक्षा और व्यक्तिगत डेटा संरक्षण जैसे विषयों पर सरल और रोचक सामग्री साझा कर रही है। इससे नागरिकों में साइबर सतर्कता की संस्कृति विकसित हो रही है।

सतत निगरानी और राष्ट्रीय सहयोग की दिशा में अग्रसर- एमपी-सीईआरटी का तकनीकी दल नियमित रूप से राज्य सरकार के 50 से अधिक पोर्टलों की सुरक्षा स्कैनिंग करता है। इसके माध्यम से कमजोरियों की पहचान कर तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाता है। यह पहल राज्य शासन के सभी विभागों में साइबर सुरक्षा को शासन-प्रक्रिया का अभिन्न अंग बना रही है। सायबर सिक्योरिटी अवेयरनेस मंथ के अवसर पर एमपी-सीईआरटी की ये उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि मध्यप्रदेश सायबर सुरक्षित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिये तैयार है। प्रशिक्षण, तकनीकी नवाचार, और विकेन्द्रित सतर्कता के माध्यम से राज्य ने दिखाया है कि जब शासन, तकनीक और जागरूकता साथ मिलेंगे, तभी सुरक्षित डिजिटल भविष्य संभव है।

संपादकीय

शांति समझौतों की खब्त

लगता है अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शांति समझौते कराने की खब्त सवार है। इसी कड़ी में उन्होंने हाल में सशस्त्र संघर्ष में उलझे दो देशों थाईलैंड और कंबोडिया में शांति समझौता कराने का दावा किया है, हालांकि इनमें से एक देश इसे स्वीकार करने को तैयार नहीं है। साथ ही जबरिया कराया गया यह समझौता भी कितने दिन टिकेगा, कोई नहीं जानता। लेकिन ट्रंप शायद अगले नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अपना बायो डाटा मजबूत कर रहे हैं। इस दृष्टि से विगत एक साल में उनके द्वारा कथित रूप से कराया गया दुनिया में यह आठवां शांति समझौता है। यह ताजा समझौता दो आसियान देशों में मलेशिया की राजधानी, कुआलालंपुर में हुआ। ट्रंप भी शायद यही समझौता कराने के लिए वहां गए थे। लिहाजा पूरा आयोजन अमेरिकी राष्ट्रपति के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। समझौते के बाद ट्रंप ने अपनी आदत के मुताबिक लंबा-चौड़ा भाषण दिया और बड़े-बड़े दावे किए। ट्रंप ने इस यह दक्षिण पूर्व एशिया के लिए एक ऐतिहासिक दिन और एक बहुत बड़ा क़दम है बताया। ट्रंप ने उन दोनों प्रधानमंत्रियों को 'ऐतिहासिक शख्सियतें' कहा जो समझौते पर हस्ताक्षर करने जा रहे थे और कुछ झिझकते हुए भी दिखाई दे रहे थे। साथ ही ट्रंप ने कहा कि वो चाहते तो इस वक्त वो स्कॉटलैंड में गोल्फ खेल सकते थे। लेकिन उन्हें लगा कि यह समझौता ज्यादा जरूरी है। उन्होंने इस मौके का उपयोग खुद को महान शांति-दूत के रूप में पेश करने के लिए किया। बड़बोले ट्रंप ने कहा कि आठ महीने में मेरी सरकार ने आठ युद्ध ख़त्म किए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। हम औसतन हर महीने एक युद्ध ख़त्म कर रहे हैं... मैं कह सकता हूं कि यह मेरा शौक नहीं है, क्योंकि यह बहुत गंभीर काम है, लेकिन यह कुछ ऐसा है जिसमें मैं अच्छा हूं और जिसे मैं करना पसंद करता हूं। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि जिस वेनेजुएला पर वो हमला करने जा रहे हैं, उसे किस श्रेणी में रखेंगे। यहां अहम सवाल यह है कि ट्रंप ने जिस 'कुआलालंपुर पीस अकॉर्ड' नाम से इस समझौते को पेश किया है, वह असल में कितना मायने रखता है? गौरतलब है कि तीन माह पहले एक शिव मंदिर को लेकर थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सशस्त्र संघर्ष हुआ था। लेकिन जल्द ही दोनों देशों ने जुलाई में ही एक युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। कहते हैं कि वह समझौता भी ट्रंप के दबाव से हुआ था। अगर यही सही है तो अभी जो समझौता हुआ है, उसका कोई खास महत्व नहीं दिखता। समझौते के मुताबिक दोनों देशों ने विवादित सीमा से अपने भारी हथियार हटाने और वहां निगरानी के लिए एक अस्थायी टीम बनाने पर सहमति जताई है। बारूदी सुरंगें साफ़ करने की नई प्रक्रिया तय की है और एक 'जॉइंट टास्क फ़ोर्स' बनाने का फ़ैसला लिया है, जो फ़र्ज़ी कॉल सेंटरों के फैलने पर नज़र रखेगा। साथ ही सीमा पर जहां सीमा चिन्ह गायब हैं, वहां अस्थायी निशान लगाए जाएंगे। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि दोनो देशों के बीच सीमा से जुड़े ऐतिहासिक मतभेद अब भी सुलझ गए हैं। इनके दोबारा भड़कने का ख़तरा बना हुआ है। यह समझौता कितना टिकेगा, इसका अंदाजा समारोह के बाद थाईलैंड के विदेश मंत्री सिंहासेक फुआंगकेतक्याव के बयान से लगाया जा सकता है, जिन्होंने इसे 'शांति समझौता' कहने से साफ़ इनकार कर दिया। उन्होंने दोहराया कि यह थाईलैंड और कंबोडिया के प्रधानमंत्रियों की तरफ़ से कुआलालंपुर में हुई बैठक के परिणामों पर की गई संयुक्त घोषणा है। अलबत्ता कंबोडिया इस मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण में ज्यादा दिलचस्पी रखता है। इससे थाईलैंड सहमत नहीं है।

नजरिया

चित्रा माली

लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

महिला सुरक्षा के सवाल की वर्तमान घटनाएं

पुलिस थाने जितने एक साधारण औरत से दूर हैं, उतने ही इनसे भी दूर हैं। अब मैं ऐसा क्या कहूं जिससे इन लड़कियों के सिपाही बनने की जरूरत को रेखांकित किया जाए। उस जरूरत को,जो वाकई आधी आबादी की जरूरत है। मुझे गंभीर और सारगर्भित भाषण देना था,लेकिन मैं अनायास ही उस इतिहास में जा पहुंची,जो मेरे लड़कपन का था। जब मैं अपने गांव से 6 मील दूर स्कूल पढ़ने जाया करती थी और बस में अकेली लड़की होने के कारण हर रोज मुझे ड्राइवर-कंडक्टरों की बदसलूकी का सामना करना पड़ता था। वे इतनी छेड़छाड़ करते कि मैं रोने लगती। बस जब थाने के सामने से गुजरती तो मैं बड़ी हसरत से थाने में मौजूद सिपाहियों को देखती,लेकिन उनसे डर जाती। वे शिकायत करने वाली औरतों को अकसर रात तक थाने में बिठाए रखते थे।

अभी हाल ही में मध्यप्रदेश के भानपुरा से शर्मसार करने वाली वारदात की खबरें हम सभी ने देखी और सुनी होगी। भानपुरा के शासकीय महाविद्यालय में युवा महोत्सव का आयोजन किया गया था जिसमें शिरकत करने आई छात्राओं के कपड़े बदलते समय कक्ष के रोशनदान से 4 छात्रों के द्वारा उनके वीडियो बनाए गए और फ़ोटो खींचे गए जिसकी पुष्टि महाविद्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से हुई है और चारों आरोपियों की पहचान भी हो गई है।

उक्त घटना के बाद एफ.आई.आर. दर्ज की गई और चार में से तीन आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया गया जबकि एक आरोपी की तलाश जारी है। इस कृत्य में शामिल सभी छात्रों का किसी विशेष संगठन से नाता है जिससे हम सभी वाकिफ़ हैं। इसके पूर्व जुलाई में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में ट्रेनिंग कर रही महिला सिपाहियों ने सेंटर की व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल उठाए थे। 360 महिलाओं की जगह में 600 रिक्रूट्स महिलाओं को रखा जाना अव्यवस्था निर्मित करने के लिए पर्याप्त है। महिला रिक्रूट्स ने सेंटर पर एक गंभीर आरोप भी लगाया था कि सेंटर के बाथरूम में कैमरे लगाए गए है और उनके वीडियो भी बनाए गए हैं और ट्रेनिंग सेंटर के पीटीआई अभद्र भाषा का प्रयोग करते है। शिकायत के बाद ट्रेनिंग सेंटर के पीटीआई को सस्पेंड कर दिया गया है। स्वास्थ्य परीक्षण के नाम पर ट्रेनिंग कर रही अविवाहित महिला रिक्रूट्स का प्रेगनेंसी टेस्ट करवाने का आदेश भी जारी किया गया था जिससे महिलाओं में काफी आक्रोश था। कमाल की बात तो यह है कि यह टेस्ट अविवाहित महिलाओं के ट्रेनिंग सेंटर में करवाया जा रहा था। गोरखपुर ट्रेनिंग सेंटर की महिला रिक्रूट्स से मुझे मैत्रयी पुष्पा की किताब 'फाइटर की डायरी' की याद आई जिसमें वे लिखती हैं कि हरियाणा पुलिस एकेडमी के ए.डी.जी. साहब ने उन्हें मधुबन करनाल में 'स्त्री की न्यायालयों तक पहुंच' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया था। जहां जूडिशियरी के लिए चुने गए जज ट्रेनिंग के लिए आए हुए थे। इसके बाद ए.डी.जी. श्री विकास नारायण राय ने महिला रिक्रूट्स को भी संबोधित करने का प्रस्ताव दिया। मेरा परिचय लेखिका के रूप में कराया गया। मैं सोच रही थी कि ये लड़कियां लेखक और लेखिकाओं के बारे में क्या जानती होंगी? इनको रचना और रचनाकार से क्या मतलब? साथ ही यह भी समस्या थी कि मैं इनके सामने किस मुद्दे पर अपनी बात रखूं? ये तो अभी ट्रेनिंग पर आई हैं। पुलिस थाने जितने

एक साधारण औरत से दूर हैं, उतने ही इनसे भी दूर हैं। अब मैं ऐसा क्या कहूं जिससे इन लड़कियों के सिपाही बनने की जरूरत को रेखांकित किया जाए। उस जरूरत को,जो वाकई आधी आबादी की जरूरत है। मुझे गंभीर और सारगर्भित भाषण देना था,लेकिन मैं अनायास ही उस इतिहास में जा पहुंची,जो मेरे लड़कपन का था। जब मैं अपने गांव से 6 मील दूर स्कूल पढ़ने जाया करती थी और बस में अकेली लड़की होने के कारण हर रोज मुझे ड्राइवर-कंडक्टरों की बदसलूकी का सामना करना पड़ता था। वे इतनी छेड़छाड़ करते कि मैं रोने लगती। बस जब थाने के सामने से गुजरती तो मैं बड़ी हसरत से थाने में मौजूद सिपाहियों को देखती, लेकिन उनसे डर जाती। वे शिकायत करने वाली औरतों को अकसर रात तक थाने में बिठाए रखते थे। मैंने कुछ कहा तो मुझे भी थाने में बिठा लेंगे,मुझे लेने भी कौन आएगा,मेरे न पिता है और न ही भाई। मैंने सिपाही लड़कियों की ओर इशारा किया काश,तुम होतीं उस थाने में तो मैं भागकर आती और तुमसे लिपटकर रो पड़ती और तुम बिन कहे मेरी मुश्किल समझ जातीं। समझ जाती क्योंकि तुम भी लड़की होतीं। कहते-कहते मेरा गला भर आया और मेरे बोलने के बाद एक एक लड़की ने अपनी बात रखी। सिपाही लड़कियों की सूझ-बूझ और चेतना संपन्नता देखकर मैं हतप्रभ रह गई। गांव से आई इन लड़कियों ने कितना संघर्ष किया है इनके बोलने में वह झलक रहा था। इस कार्यक्रम के बाद मुझे महसूस हुआ कि इन साहसी लड़कियों की संघर्ष की गाथा को लिखना चाहिए और मैं मधुबन करनाल पहुंच गई। मैत्रयी पुष्पा जी ने उन लड़कियों के संघर्ष की कहानी को इस किताब (फाइटर्स की डायरी) में प्रस्तुत किया है जो विभिन्न सामाजिक परिवेश से आती है और पारिवारिक बेड़ियों को तोड़कर मुक्ति की तलाश में उस क्षेत्र में हस्तक्षेप करती हैं जो अभी तक उनके लिए सामाजिक रूप से स्वीकार्य नहीं है। पुलिस महकमे में आने के बाद क्या वो सम्मान और ताकत वे हासिल कर पाती है जिसके लिए उन्होंने एक लंबा संघर्ष किया है?

महिला पुलिस कर्मियों पर कई फिल्में और वेबसीरीज भी बनाई गई है उनमें से मुख्य दिल्ली क्राइम, हंड्रेड,शी,सर्च,सोनी,संतोष इनमें यह दर्शाया गया है कि कार्यस्थल और परिवार के साथ सामंजस्य बिठाने में महिलाओं को हर रोज कितना संघर्ष करना पड़ता है। अभी हाल ही में आरपीएफ की एक महिला पुलिस कर्मी का फ़ोटो वायरल हुआ था जिसमें वह अपनी छोटी सी बेटी को कैरिंग बेग में लेकर अपनी ड्यूटी कर रही थी। हर महिला को अपनी शर्तों पर जीने के लिए या कहें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए एक लंबा संघर्ष, सामाजिक व्यवस्था से प्रतिदिन करना होता है। बहरहाल भानपुरा की घटना को लेकर ज्ञानीजन ज्ञान दे सकते है कि लड़कियों को कपड़े बदलने ही नहीं चाहिए थे ठीक वैसे ही जैसे लड़कियों को रात में घर से बाहर निकलना ही नहीं चाहिए। क्या गोरखपुर ट्रेनिंग सेंटर के बाथरूम में लगे कैमरों को जायज ठहराया जा सकता है? अविवाहित महिलाओं का प्रेगनेंसी टेस्ट करवाया जाना चाहिए? ट्रेनिंग सेंटर में क्षमताओं से अधिक की संख्या में महिलाओं को रखा जाना उचित है? सवाल कई सारे है जिनके जवाब शायद ही कोई दे क्योंकि आज व्यक्ति ने जवाबदेही से अपने आपको मुक्त कर रखा है। अभी दो तीन दिन पूर्व ही मध्यप्रदेश के बुरहानपुर में घटी घटना की बात करते है वहां एक मृत महिला का शव पोस्टमार्ट्म के लिए लाया गया था। महिला के शव के साथ एक व्यक्ति के द्वारा दुष्कर्म किया गया जो सीसीटीवी कैमरे में कैद है और सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से आरोपी की शिनाख़्त और आरोप की पुष्टि भी की जा चुकी है। इस तरह का कृत्य एक मानसिक बीमारी भी हो सकती है जिसका नाम (नैक्रो फीलिया) है। मृत्यु के बाद महिला अपनी सुरक्षा कैसे करे? इस पर अलग से विमर्श किया जाना चाहिए। विभिन्न शॉपिंग मॉल में चेंजिंग रूम में भी हिडन कैमरे लगे होने की कई बार पुष्टि हो चुकी है और कई होटल्स में न्यूली मैरिड कपल के वीडियो भी बनाए गए और उन्हें ब्लेक मेल भी किए जाने की खबरें हैं। इस पर कई फिल्में भी बनायी गई है, 'कलयुग' खास इसी मुद्दे पर केंद्रित फिल्म है। लड़कियाँ और महिलाएं बाथरूम से लेकर सड़कों तक कहां सुरक्षित है? आधी आबादी के लिए असुरक्षित समाज-व्यवस्था सभ्य और सहयोगी पुरुष का निर्माण करने में भी असफल ही साबित हुई है जो बहुत ही गंभीर और चिंतनीय बात है।

केबीसी

आयुषी दवे

लेखिका इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन्स में इंजीनियर हैं।

अनुशासन भूलता बचपन, यह कैसा अति आत्मविश्वास?

भारत के बेहद लोकप्रिय टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति का एक चर्चित एपीसोड काफी सुर्खियों में है। इसमें बच्चे का अति आत्मविश्वास शुरू में तो सबको खूब भाया लेकिन शो आगे बढ़ने के साथ, जवाब देने के तरीके ने सबको हैरान किया। बच्चों के एक एपीसोड में 10 साल के बच्चे ने अमिताभ बच्चन को नियम समझाने और विकल्प न बताने की न केवल हिदायत दी बल्कि अपनी अति आत्मविश्वासी छवि पेश कर कुछ देर के लिए बोलती भी बंद कर दी। हालांकि थोड़े ही सवालों के बाद वह खेल से बाहर हो गया लेकिन बच्चा जितनी देर रहा, कई अनसुलझे सवालों को छोड़ गया। शो को नियमित देखने वालों और इस बारे में सुनने वालों में इसकी काफी चर्चा है। कुछ इसे बच्चे के अहम तो कुछ शिष्टाचार से जोड़कर देखते हैं। तमाम तरह की आलोचनाओं के बावजूद बच्चे के समर्थन में भी कुछ सामने आए। हालाकि कई का यह भी मानना है कि ऐसे एपीसोड केबीसी को नहीं दिखाना था। टीआरपी और प्रतिस्पर्धा की होड़ में एक्सीडेंटली बैठे बिठाए हाथ आए ऐसे मामले भला प्रसारण कंपनी क्यों छोड़े? निश्चित रूप से बच्चे के प्रति तरह-तरह के कमेण्टस आने का सिलसिला जल्द थमने वाला नहीं। लेकिन विचारणनीय यह है कि इसका बच्चे की मन:स्थिति पर कैसा और कितना गहरा असर पड़ेगा? संभव है कि जल्द इस पर डिबेट्स का दौर भी शुरू हो जाए।

लेकिन गंभीरता से सोचना होगा कि आखिर बच्चे ने ऐसा व्यवहार क्यों किया? शो के दौरान बीच-बीच में बच्चे के जवाब देने के अनुचित तरीके से उसके माता-पिता भी असहज दिखे। ऐसा लगा कि ऐसी वार्तालाप बच्चे की दिनचर्या का अंग ही है। बच्चे के लिए भले यह नया न हो और आम हो लेकिन क्या यह सही है? इस पर मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों का ध्यान स्वाभाविक है। इस तरह की प्रवृत्ति कैसे रुके, गहन मंथन का विषय है। टीवी में ऐसे कार्यक्रम आएं न आएं यह नियामकों का जिम्मा है। लेकिन दस साल के बच्चे के व्यव्हार से ढ़ेरों सवाल जरूर उठ खड़े हुए हैं। आज की आपाधापी और भागदौड़ भरी जिंदगी में बच्चों को अभिभावक कितना वक्त दे पाते हैं? वो संस्कार कहां गुम हो गए जिसके लिए भारत दुनिया में जाना जाता है? पश्चिमी सभ्यता इतना सर चढ़ बोल रही है कि पहले फटी जींस और अब फटे शर्ट की फैशन हमारी आत्ममुग्धता है? बच्चों का बदलता व्यव्हार, उनमें रूखापन और अतिविश्वास क्यों है? इस पर मनोविज्ञानिकों की राय को भी देखना होगा जो बताते हैं कि ऐसे व्यव्हार का कारण कहीं ना कहीं बच्चे का विकासात्मक असंतुलन है। जिस बच्चे को लेकर यह शुरुआत हुई है वह जेन अल्फा से ताल्लुक रखता है। यह सबसे तेज और सबसे हाईटेक पीढ़ी मानी जाती है। 2010 से 2024 के बीच पैदा यह, वह पहली पीढ़ी है जो पूरी तरह से 21वीं सदी में जन्मीं है। जन्म से ही तकनीक, स्मार्टफोन और टैबलेट के साथ पले-बढ़े ये बच्चे पूरी तरह डिजिटल और सायबर परिवेश में रहते हैं। यही नए डिजिटल युग के असल प्रतिनिधि कहे जा सकते हैं। तेजी और हाजिर जवाबी इनकी पहचान है। इनके लिए, सब कुछ तुरंत होता है जैसे जवाब, खेल, प्रशंसा और ध्यान।

ऐसी प्रवृत्ति के भयावह दुष्परिणामों के बारे में सोचे बिना हम अपनी पीढ़ी को कहां ले जा रहे हैं? इस पर कौन सोचेगा? क्या हम, आप इस गति या तेजी की कीमत समझते हैं? उनके मस्तिष्क का फ्रंटल लोब, जो निर्णय लेने, धैर्य और भावनात्मक नियंत्रण के लिए ज़िम्मेदार है, बहुत धीमा विकसित हो रहा है। इनमें एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है। इनमें विचारों में तेजी तो काम पर नियंत्रण कम रहता है। इनके व्यव्हार से मस्तिष्क का असंतुलन भी झलकता है। इसे तंत्रिका-विकासात्मक विकार कहते हैं जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, अतिसक्रियता और आवेग जैसी समस्याओं का कारण बनता है। यह मस्तिष्क की वह स्थिति है जो बच्चों और किशोरों में उनके स्कूल, घर, रिश्तों में दैनिक कामकाज को प्रभावित कर सकती है। यह वयस्कता तक बनी रहती है। इसे एडीएचडी यानी अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर कहते हैं। वहीं यह एक तरह का ओडीडी यानी ऑप्जिशनल डिफिएंट डिसऑर्डर है। यह भी व्यवहार संबंधी विकार है जिससे बच्चों में लगातार अवज्ञाकारी, असहयोगी और शत्रुतापूर्ण व्यवहार झलकता है। बच्चे दूसरों के साथ बहस करते हैं, नियमों का पालन करने से इनकार करते हैं और चिड़चिड़े होते हैं। यदि यह व्यवहार लंबे समय तक बना रहता है, तो यह रिश्तों और दैनिक जीवन को गंभीर रूप से बाधित कर सकता है। दूसरों से बात करते समय बीच में बोलना या बीच में ही टोक देना, बेचैनी और इंतज़ार करने में असमर्थता, अतिसक्रियता, आवेग में आकर जवाब देना, अधिकार प्राप्त लोगों से बहस करना या उनका विरोध करना, जिद और मैं हमेशा सही हूँ वाला रवैया अपनाना, गलत होने पर भी गलतियाँ न मानना वो लक्षण हैं जो भावनात्मक असंतुलन दर्शाते हैं। ऐसी स्थितियों में भावनाएँ मस्तिष्क को नियंत्रित करती हैं, न कि मस्तिष्क भावनाओं को। इसमें बुद्धिमान दिखने खातिर आंतरिक दबाव और अपने डर को प्रभुत्व या आज्ञाकारी लहजे से छुपा लेना ठीक नहीं होता।

केबीसी के जिस एपीसोड से यह मुद्दा गर्माया, उसमें एक अहम बातचीत पर भी ध्यान जरूरी है जब बच्चा कहता है कि अगर मैं कम से कम 12 लाख नहीं जीता तो मुझे बताया गया कि आपके साथ फोटो नहीं खिंचवा सकता! यह कहना बेहतर प्रदर्शन के लिए उस पर दबाव और चिंता को बताता है। कहने की जरूरत नहीं कि वजह माता-पिता या सामाजिक अपेक्षाओं से जुड़ा दबाव है। अहम यह कि माता-पिता अपने बच्चे की बुद्धिमत्ता और जीत की तारीफ तो करते हैं लेकिन उसकी भावनाओं को नहीं समझते, शांत या धैर्यवान होना नहीं सिखाते।

वास्तव में आपाधापी और प्रतिस्पर्धा में रात-दिन लगे माता-पिता भी तो उसी दौड़ में शामिल है जिसमें बच्चा है। भला क्या और क्या उम्मीद की जाए? समय से पहले गैर जरूरी मामलों में बच्चों की संलिप्तता और इसके लिए मददगार डिजिटल संसाधन पकड़ाना कितना उचित है? यह सवाल शुरुआत से बहस में रहा। लेकिन सवाल वही कि क्या हम वक्त से पहले अपने बच्चों को बिना सोचे, समझे बड़ा कर रहे हैं?

बचपना, मिट्टी में खेलने की आजादी, गांव, गलियां, गिल्ली डण्डा, गेड़ी चलना, लंगड़ी कूद, बोरा कूद, लुका-छिपी और तमाम पुराने पारंपिक खेल गायब होते जा रहे हैं। सबका स्थान मोबाइल और गेमिंग ने लेकर बच्चों को समय से पहले बड़ा और बूढ़ा जरूर बना दिया है। कितना अच्छा होता कि समय रहते ऐसी उच्छृंखलता को रोक पाते? क्या फिर लौट पाएगा बच्चा, बचपन और अनुशासन और बच्चों का झुण्ड, आंगन में किलकारी, दौड़ना, कूदना, लड़ना और एक हो जाना! शायद लंबा इतंजार करना होगा, कितना? यह तो किसी को नहीं पता।

चुनावी रात में मौका बिहार

राजनीति

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

आपातकाल के बाद 1977 ईस्वी में जनता पार्टी की खिचड़ी सरकार का स्वाद चख चुके राजनीतिक दल अपनी विचारधारा को त्यागकर अब किसी भी उस दल में बड़ी आसानी से आने-जाने लगे हैं जिसकी अगुवाई में सत्ता में बने रहने की सुविधा मिलती रहे। वे यह आवाजाही अपने लोभ-लाभ का गणित बिठाकर आसन्न चुनाव के समय पर ही करते हैं।

ऐसे जन-प्रतिनिधियों को लोकतंत्र की वैतरणी पार करने वाला मौका बिहारी कहना चाहिए। अनेक ज्ञात-अज्ञात कारणों से इन जनप्रतिधियों के पेट में अचानक कोई मरोड़-सी उठती है और वे दल बदलने के लिए केवल दो बहाने बनाने लगते हैं जो इस प्रकार हैं...

1- वे इस समय जिस दल में हैं वहाँ उनका दम घुट रहा है।

2- वे अपने आपको अपने ही दल में अपमानित महसूस कर रहे हैं।

भारत में एक प्रसिद्ध मौका बिहारी नेता तो किसी दल से गठबंधन करते समय उसे यह वचन भी देते हैं कि अब मरते दम तक तेरा साथ न छोड़ेंगे। फिर कुछ समय बाद जीते-जी ही उसका साथ छोड़ देते हैं। फिर कुछ समय बाद उसी दल में मिल जाते हैं। वह दल भी उन्हें अपनी आगोश में बार-बार ऐसे ले लेता है जैसे कभी बिछड़े ही न हों। कुल मिलाकर चुनाव का मतलब किसी भी तरह के राजनीतिक गठजोड़ से जनता को हराकर सत्ता पाना रह गया है।

इन मौका बिहारियों को वोट देने वाली जनता की हालत उस केवट जैसी है जिसकी नाव में बैठकर ये लोग सत्ता का किनारा मिलते ही उसे उतराई देना भूल जाते हैं और सत्ता के घाट-घाट का पानी पीने के लिए स्वतंत्र हो जाते हैं। उनकी यह स्वतंत्रता ही लोकतंत्र कहलाने लगी है और कमाल ये है कि उनका सिंहासन खाली कराने जनता कहीं से भी आती नहीं दीखती बल्कि उन्हें ही बिठाये रखती है।

सदियों से.. 'न नाथ उतराई चहौं'... की भावना से भरी जनता आधुनिक लोकतंत्र में भी अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सचेत हुए बिना राजनीति के मौका बिहारियों को केवल जात-पाँत के नाम पर सत्ता की नाव में बिठाती आ रही है। न तो इन्हें चुनने वाले शर्मिन्दा हैं और न ही चुने जाने वालों को कोई शर्म आती है। जनहित के नाम पर वोटों का सौदा करने वाले राजनीतिक दलों के मायावी जाल में फँसे लोग अपने वोट का मूल्य आंके बिना ही उसे व्यर्थ गंवाते रहते हैं।

लोकतंत्र की नदी में नौकायन करने वाले सभी राजनीतिक दलों की नावों में इतने छेद हो गये हैं कि जैसे ही किसी दल की नाव डूबती-सी लगती है उसमें बैठा मौका बिहारी उस नाव में कूदने की जुगत बिठाने लगता है जो अभी डूबी नहीं है और अभी भी कुछ समय डूबने से बची रहकर सत्ता का किनारा पा सकती है। लोकतंत्र की सूखती हुई नदी का पानी धीरे-धीरे नीचे उतरता जा रहा है और राजनीतिक दलों की नावों में छिद्र बड़े होते जा रहे है। यह भरोसा अभी टूटा नहीं है कि लोकतंत्र की नाव की वास्तविक खेवैया के रूप में देश की जनता सत्ता का किनारा पाने वाले मौका बिहारियों के बारे में विचार कर रही होगी। आखिर कब तक ये राजनीतिक दलों के मौका बिहारी लोग अपनी नावें बदलकर और जनता को बीच मझधार में छोड़कर बचते रहेंगे?

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

(लेखक व्यंग्यकार है)

ऑनलाइन दिवाली के तकनीकी इफेक्ट के फेक्ट

दीपावली पूजन चलायमान फोन पर चल के चौघड़िया में चल ही रहा था और पंडित शिवनारायण जी मंत्रोच्चार कर लक्ष्मी जी को आहूत करने का आह्वान कर रहे थे। साइड में पड़े मोबाइल पर लगातार मैसेज की घंटी बज रही थी।

उधर गरुड़ जी की घंटी की सुरीली आवाज भी बज रही थी जब दोनों घंटी के सुर में सुर मिल रहे थे तो मोबाइल की रिंग टोन उन्हें विचलित किए बिना नहीं मान रही थी। इधर पूजन सांझ ढलते गोधूली बेला में चल रही थी कि पार्सल वाले ने बेल बजा दी। तीनों बेल, के बजने की बेला से पंडित जी पूजन के तकनीकी साइड इफेक्ट से आनलाइन दीवाली के फेक्ट से रूबरू हो रहे थे।

खैर पंडित जी की पूजन की विधि में इन तीनों अमर होती, बैलो, के कारण पूजन के ऑडियो में खलल पैदा होने से पूजन में बेचैनी उनका चेन छीन रही थी। क्योंकि,क्यू आर,कोड से पेमेंट करने से मंत्रोच्चार के साथ पूजन के आडियों में खलल पैदा होने से इन बजती बेलो को,खल, समझने वाले पंडित जी बोले हे! लक्ष्मी मैया हमें पुरानी ऑफलाइन दीवाली के दिन लौटा दो!

पंडित जी को पुरानी ऑफलाइन दीवाली को लक्ष्मी जी से लौटाने की अपील नेताओं के विज्ञापन, प्रेस नोट,अपील की तरह लग रही थी। लेकिन उल्लू पर सवार लक्ष्मी जी ने उन्हें उल्लू बनाते हुए वर दिया कि जब तुमने ऑनलाइन आरती,ऑनलाइन ई दान, वर्चुअल, ऑडियो वीडियो पूजन को अपना लिया है तो अब यह मध्य युगीन दीवाली मनाने को अब सपना ही समझो। अब तुम वर्चुअल यजमान और तुम्हारी दीवाली मनाने वाले पंडित जी भी वर्चुअल,क्यू आर कोड वाले हाई टेक पंडित जी हो गए हैं। जब तुमने अपने कदम वर्चुअल पूजा की परंपरा की तरफ बढ़ा दिया तो आरती के लिए न तो तुम्हें तेल चाहिए न ही बाती और न ही दीपक। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आरती मत लो, केवल देखो! संकल्प मंत्रोच्चार के लिए तुम्हें किसी पुस्तक की लाइनों को नहीं पढ़ना है,सब कुछ ऑनलाइन है।अब तुम वीडियो कॉलिंग से पूजा करने वाले नए जमाने के हाईटेक यजमान हो। तुम्हें तिलक लगाकर भेंट देने की जहमत भी नहीं उठाना पड़ेगी,अब क्यू आर कोड की गुत्थम गुत्था आकृति की तस्वीर अपने मोबाइल में लो और पंडित जी को रुपए भेज कर उनसे कृत कृत हो जाओ।

इस पर पंडित जी लक्ष्मी मैया से सहमे और रूंआसे स्वर में बोले कि इस वर्चुअल पूजन से नजदीकियां दूरियों में बदल रही है,दीयों की लौ की दमक मोबाइल की स्क्रीन में सिमट गई है।

इस वर्चुअल की चुहलबाजी ने अपनापन छीन लिया है। पूजन के पहले खरीदी का ऑफर ऑनलाइन हो रहा है तो पूजन के बाद भेंट, आशीर्वाद भी ऑनलाइन ऑफर का हिस्सा हो गया है।

पंडित जी पूरे मनोयोग से मॉ लक्ष्मी से प्रार्थना कर ही रहे थे कि उनका मोबाइल,हैप्पी दिवाली के संदेशों से भरा हुआ दिखा,इस बीच कोई मिलने वाला आता हुआ देख पंडित जी की त्योरियां चढ़ गई। वे मैसेज पढ़ना चाहते थे और मिलने वाला उनके चेहरे को पढ़ना चाह रहा था। उनकी अनदेखी को समझ कर और उनके रुख को भांप कर मिलने वाला यह कहकर निकल लिया की दिवाली का मैसेज फॉरवर्ड करता हूं। रिश्तो के अपनेपन खत्म होने पर पंडित जी मोबाइल पर,बाईल, जरूर हुए लेकिन अच्छा सा एआई मैसेज पंडिताई का पढ़कर दीयो की तरह दमक उठे लेकिन जैसे ही मिसेज की (कु) दृष्टि उस मैसेज पर पड़ी तो मैसेज एवं मिसेज के झमेले में पंडित जी के असहज होने की नौबत आती दिखी तो वे बोले फेंक मैसेज साले न जाने कौन-कौन डाल देते हैं। और दिल को राहत देने वाले कथित फेंक मैसेज को उन्हें कूड़े करकट की तरह फेंकने का यानी डिलीट करने के लिए बाध्य होना पड़ा।

पंडित जी बोले, पहले हे! लक्ष्मी मां,दीवाली पर घर-घर जाना पड़ता था चरण छूने पड़ते थे, मिठाई खाना और खिलानी पड़ती थी, हंसी मजाक में दिवाली अपने वाली थी लेकिन इस बीच फिर एक बेल बजी,इस बार बेल बजाने वाला, पार्सल ब्याव,था शायद वह गिफ्ट हैंपर और मिठाई का पार्सल लेकर आया था।वह भी किसी भूले भटके ने पहुंचा दी थी,वरना अनेक मित्रों रिश्तेदारों ने तो गिफ्ट और मिठाई की जगह गिफ्ट लिंक भेज कर अपनी मिठास वाली दीवाली की, लिंक, ही फेल कर दी थी।

मुद्दा

अनुपमा तिवाड़ी

शिक्षाविद, साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता व ट्री वुमन ऑफ राजस्थान

हमारी आदतों से उपजा कूड़ा, हर दिन बढ़ती समस्या

जब तब प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाते रहे हैं लेकिन वे 'ऊँट के मुंह में जीरा' जितने ही चल पाए हैं। कूड़े का उचित निपटान आज भी दुनिया के सामने एक बड़ी समस्या है क्योंकि जितना उसका उत्पादन होता है उतने उसके निपटान के प्रयास और साधन आज भी उपलब्ध नहीं हैं। यह दुनिया की एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। वर्ष 2020 में दुनियाभर में 2.20 अरब टन कचरा पैदा हुआ। वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि 2050 तक इसका उत्पादन 3.88 अरब टन हो जाएगा। बहुत से स्थानों और शहरों में बड़ी संख्या में कूड़े एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण करना निपटान का विकल्प देखा जाता रहा है जो कि स्थाई हल नहीं है। कूड़े के संपर्क में आने से बैक्टीरिया जानवरों और मनुष्यों तक आ जाते हैं और बीमारी का कारण बनते हैं। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है जो कि वन्यजीवों और हमारी अर्थव्यवस्था को खतरे में डालता है। धरती की सुंदरता नष्ट होती है।

आप ऑनलाइन कोई पुस्तक मँगवाएं। पुस्तक कई बार चौड़ी पारदर्शी टेप से पूरी तरह पैक होती है। उसे खोलने पर उसके अंदर एक मोटा ब्राउन जिल्द चढ़ाने जैसा कागज होता है और फिर उसके अंदर फिर एक पफी- सी मोटी प्लास्टिक शीट निकलती है। पुस्तक की पैकिंग इतनी मजबूत की गई होती है कई बार उसे बिना चाकू से खोला जाना लगभग नामुमकिन होता है। कई बार लगता है कि एक पुस्तक को इतनी मजबूत पैकिंग की जरूरत होती है क्या? इसकी पैकिंग में कितनी सामग्री लगी होगी? क्या, इससे कुछ कम में काम नहीं चल सकता था? आखिर, तमाम भुनभुनाहट के बाद आप पुस्तक खोलते हैं।

अब शहरों के विस्तार के साथ ही शहरों में रैपर पैक्ड फूड, डिब्बाबंद खाने और बोतलबंद पेयों का चलन तेजी से बढ़ा है। कई बार पैकिंग के डिब्बे ऐसे होते हैं कि हमें लगता है कि इन्हें धो कर रख लेते हैं आगे कहीं खाना पैक कर के ले जाने या कोई और छोटा - मोटा सामान रखने के काम आएंगे। यूं लालच में हम अपने घर में भी काफी सारे प्लास्टिक के डिब्बे, बोतले, छोटे - मोटे गत्ते के डिब्बे, कार्टन और काँच की बोतलें बढ़ाते जाते हैं। धीरे - धीरे किचिन की अलमारियों में ये डिब्बे बढ़ते जाते हैं और फिर थोड़े दिनों के बाद किचिन एक छोटा संग्रहालय - सी दिखाई देने लगती है। कई बार कुछ किरायेदार, अस्थायी तौर पर रहने वाले स्टूडेंट खाली प्लॉटस में इन्हें फैंकते देखे जा सकते हैं। इन खाली डिब्बों में खाने की गंध से गायें, कुत्ते भोजन की तलाश में आ जाते हैं। इसी तलाश में कई बार गायों के पेट में प्लास्टिक चले जाने के कारण उन्हें गंभीर बीमारियों से ग्रसित होते देखा जा सकता है। बल्कि कई बार तो उनकी मौत तक हो जाती है।

जब तब प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जाते रहे हैं लेकिन वे 'ऊँट के मुंह में जीरा' जितने ही चल पाए हैं। कूड़े का उचित निपटान आज भी दुनिया के सामने एक बड़ी समस्या है क्योंकि जितना उसका उत्पादन होता है उतने उसके निपटान के प्रयास और साधन आज भी उपलब्ध नहीं हैं। यह दुनिया की एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। वर्ष 2020 में दुनियाभर में 2.20 अरब टन कचरा पैदा हुआ। वर्ल्ड बैंक का अनुमान है कि 2050 तक इसका उत्पादन 3.88 अरब टन हो जाएगा। बहुत से स्थानों और शहरों में बड़ी संख्या में कूड़े एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरण करना निपटान का विकल्प देखा जाता रहा है जो कि स्थाई हल नहीं है। कूड़े के संपर्क में आने से बैक्टीरिया जानवरों और मनुष्यों तक आ जाते हैं और बीमारी का कारण बनते हैं। इससे वायु प्रदूषण बढ़ता है जो कि वन्यजीवों और हमारी अर्थव्यवस्था को खतरे में डालता है। धरती की सुंदरता नष्ट होती है।

कई देशों की बनी इस समस्या का हल समुद्र में भी ढूँढा गया। समुद्र में कूड़ा डाल देना भी कम नुकसानदायक नहीं है। समुद्री कूड़ा नौवहन व जलीय जीवों के लिए घातक है। कूड़े की समस्या अब गाँव, शहरों, देशों से आगे बढ़कर विश्व की समस्या हो गई है और विश्व से देशों, शहरों और गाँवों की भी समस्या बनती जा रही है। लगभग 25 से 30 साल पुराने कूड़े से एक प्रकार का द्रव लीचेट निकलना शुरू हो जाता है। यह जहरीला होता है। यह कूड़े के पहाड़ों के आसपास के भूजल और मिट्टी में मिलकर उसे जहरीला बना देता है। कूड़े के ढेरों से उठने वाली बदबू और आए दिन उन्हें जलाने से उठने वाला धुंआ दोनों ही वहाँ रहने वालों के लिए

कष्टदायक हैं। हमारे देश में कचरा निष्पादन की समस्या को लेकर लगातार दायर की जाने वाली याचिकाओं के बाद अब सूखा कचरा निष्पादन नियम 2016 लाया गया है। इन नियमों में सूखे और गीले कूड़े को अलग-अलग रखने के निर्देश दिए गए हैं। ऐसा न करने की स्थिति में दंड का प्रावधान भी रखा गया है।

संविधान के अनुच्छेद 51(ए) में दिए गए मौलिक कर्तव्यों में स्पष्ट कहा गया है कि 'जंगल, झील, नदी और वन्य-जीवन जैसे प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा और विकास करना हर नागरिक का कर्तव्य है।' कचरा निष्पादन के संबंध में कुछ अन्य नियम ऐसे हैं जो कचरे का जैविक निष्पादन कर उसे संतुलित रखने पर बल देते हैं।

कचरा निष्पादन से संबंधित बहुत सी चुनौतियां अभी भी सामने खड़ी हैं जिनसे निपटने के लिए कानूनों के व्यावहारिक स्तर पर अमल किए जाने की नितांत आवश्यकता है। कई स्थानों पर लगाए गए कचरे से ऊर्जा बनाने वाले संयंत्र भी कारगर सिद्ध नहीं हो पा रहे हैं। इन संयंत्रों से आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। इनमें आने वाला गीला कूड़ा व्यर्थ जाता है। केवल सूखा कूड़ा ही ऊर्जा उत्पादन के काम आता है। दूसरे, इन संयंत्रों से अपेक्षित ऊर्जा भी नहीं मिल रही है। कचरा रूपांतरण संयंत्रों से वायु प्रदूषण बहुत अधिक होता है।

इस बड़ी समस्या के हल बड़े और छोटे स्तरों पर करने की जरूरत है या यूं कहें कि इस ओर कोशिशें तेज करने की महती आवश्यकता है। देखना होगा कि रिडयूज़, रीयूज़, रीसाइकिल मात्र नारा बनकर न रह जाए यह हमारी जीवनशैली का हिस्सा बने।

वक्रोक्ति

खुमानसिंह चुंडावत

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भावनाओं का कॉपी,कट,पेस्ट,सीन हो जाना

घर की वार्षिक सफ़ाई, जिसे पुरातत्व विभाग की खुदाई जितनी संजीदगी से प्रत्येक घर में किया जाता है, चल रही थी। टूटे सपनों और फूटे डिब्बों के बीच से एक लिफ़ाफ़ा मिला। शक्ल ऐसी, जैसे 'सरकारी उदासीनता' का ब्रांड एम्बेसडर हो। उसे देखकर उन 'पुराने नादान दिनों' की याद आ गई, जब एक संदेश को दूसरे शहर पहुँचने में उतना ही वक़्त लगता था, जितना आज एक वेब सीरीज़ के सारे सीज़न देखने में लगता है।

कहने को तो ये डाक-व्यवस्था कम्युनिकेशन थी, पर असल में यह धैर्य की 'अग्नि-परीक्षा' थी और भावनाओं की लहरों का चढता उतरता सरोवर था। डाक खानदान का छुटका पोस्टकार्ड तो कब का लापता हो गया था, अंतर्देशीय ने 4 प्रतिशत के आते ही समर्पण कर दिया। ज़माने भर की शुभकामनाओं, भावनाओं और आशीर्वाद के कारण यह लिफ़ाफ़ा काफ़ी दिनों तक किला लड़ाता रहा लेकिन सितम्बर की पहली तारीख़ इसके लिए वेतन दिवस न होकर विदाई दिवस बन गई। लिफ़ाफ़ा तो उस ज़माने का दस्तावेज़ है जब 'Seen' का मतलब 'ब्लू टिक' नहीं, बल्कि डाकिया बाबू की बॉडी लैंग्वेज हुआ करती थी। लिफ़ाफ़ा जो अपने सीने में कई प्रेम प्रसंग, जज़्बात, भावनाएं, वादे, कई गुप्त और ज़ाहिर सूचनाएं, नौकरी और शादी ब्याह के कई संदेशों का हमराज़ था इस सिस्टम से ही बाहर कर दिया गया। आज इन हालातों में देखकर हर कोई भाव विभोर हो जाए।

डाकिए के हाथ में शासकीय सील ठप्पों से सुसज्जित लिफ़ाफ़े की जो गरिमा थी वह आज कल के कुरियर में कहां! आजकल के कुरियर वाले को देखो, कितना मुँहफट है! फ़ोन करके पूछता है, सर, OTP बता दीजिए, पैकेट गेट पर छोड़ दिया है ? वह आपकी प्राइवेसी और आपके आलस, दोनों की इज़्ज़त करता है। और एक वो डाकिया बाबू थे! पूरे मोहल्ले की ख़बर लेकर आते थे, और आपकी चिट्ठी देने से पहले दो-चार ज्ञान की बातें भी सुना जाते थे। उनके इस जनसंपर्क के कारण ही उनका सूचना तंत्र इतना समृद्ध था कि उस ज़माने में प्राइवेसी नाम की कोई चीज़ ही नहीं रह जाती थीं । डाकिया एक चलता-फिरता CCTV कैमरा था, जिसे सबके घर के अंदरूनी मामले पता होते थे।

लिफ़ाफ़े से उपजे इमोशनल अटैचमेंट का कारण बचपन से ही हमारा इससे गहरा जुड़ाव रहा है है, बचपन में हम भी डाक क्रांतिकारी रहे हैं। एक बार गाँव का पोस्ट ऑफिस बंद होने की नौबत आ गई क्योंकि वहाँ से पत्राचार कम और पास बुकों का आदान प्रदान ज़्यादा होता था ! लिहाज़ा घाटा झेल रहे संस्थान को बंद करना ही एकमात्र उपाय था। पोस्ट ऑफ़िस के बंद होने का मतलब मुझ जैसे कई टीनेजर्स को अपने सपनों, प्रतीक्षा और भावनाओं का इमोशनल अत्याचार होता हुआ दिखाई दे रहा था ।इसलिए हमने उसे बचाने का बीड़ा उठाया।

पूरे गाँव को प्रेरित कर चिट्ठियाँ लिखवाईं। खतों -किताबत का महत्व समझाया, खुद चिट्ठी पत्री लिखने की ज़िम्मेदारी ली और बाहर से चिट्ठी आने पर उसे पढ़कर सुनाने का दायित्व भी उठाने का वादा किया । किसी के बेटे को लिखा, तुम्हारी माँ पूछ रही है कि शहर में ढंग का खाना खाते हो या नहीं? घर कब आओगे ? शहर की संगत से दूर रहना ! आदि । लेकिन इस कुशल क्षेम वाली कसरत से ज़्यादा कुछ हासिल हुआ नहीं । थोड़े दिन बाद ही डाकिया बाबू बोले 'ब्रांच बंद होने का फिर नोटिस आया है ' तब हमने अपने एक और अस्त्र का उपयोग किया और वह था आकाशवाणी । हमने इतने फ़िल्मी गानों की फ़रमाइशें भेजीं कि देश भर में हमारा नाम गूँजने लगा और गाँव का पोस्ट ऑफ़िस सदा के लिए बंद होने से बच गया ! हमारा गाँव झुमरी तलैया की तरह प्रसिद्ध हो गया और हम गाँव के पर्याय बन गये। गांव मेंआई इस डाक क्रांति के कारण डाकघर की आर्थिक स्थिति भी अच्छी हो गई और वह भी बंद होने के बदतर हालात से उबर आया ।

ज्ज. इस लिफ़ाफ़े से लगाव यूँ ही नहीं है !इसके पीछे हमने अपना कितना जेब ख़र्च दाँव पर लगाया है, उसकी दास्तान भी बहुत लंबी है । एक तरह का इमोशनल ड्रामा था। सुबह चिट्ठी पोस्ट करो और लौटती डाक से जवाब का इंतज़ार शुरू हो जाता । दरवाज़े पर टकटकी लगाकर बैठ जाओ। मानो खुद की भावनाओं को 'स्लो मोशन' में देखने का कोई नशा हो। उसके आने की आस इतनी उत्कट होती थी कि निगाहें बस दर पर ही लगी रहती थी।उस पर सितम था डाकिया बाबू का वो तकिया कलाम सब ख़ैरियत है! – यह वाक्य यथार्थ के धरातल पर ला पटकता था ! ये ख़ैरियत नहीं, सस्पेंस का मर्डर था! हम हफ़्तों तक जिस जवाब के इंतज़ार में कल्पनाओं के महल बना रहे होते थे, उस पर वो एक वाक्य से बुलडोज़र चला देते थे। सच मानिए ये तीन शब्द किसी की उम्मीदों पर किया गया सर्जिकल स्ट्राइक होते थे।

आज की पीढ़ी कितनी ख़ुशक़िस्मत है! उन्हें भावनाओं के इस सरकारी अत्याचार से गुज़रना नहीं पड़ता। उनके पास 'Last Seen' है – तुरंत पता चल जाता है कि सामने वाला ज़िंदा है और आपको नज़रअंदाज़ कर रहा है। प्रतीक्षा का दर्द नहीं, 'डिलीवरी रिपोर्ट' की स्पष्टता है। पहले पत्र लिखना साधना थी, जिसमें आप आधे घंटे सोचते थे कि 'आदरणीय' लिखें या 'प्रिय'। अब तो कीबोर्ड ख़ुद ही बता देता है- के. Thn& lol और सबसे बड़ा आविष्कार – 'सीन' का नीला टिक! यह डाकिया बाबू के सब ख़ैरियत है का डिजिटल मोक्ष है। इसका सीधा मतलब है, मैंने तुम्हारा संदेश पढ़ लिया है और अब मैं अपने जीवन के ज़रूरी कामों में व्यस्त हूँ। तुम भी व्यस्त हो जाओ।

आज 5 जी नेटवर्क है, और अपनी बात कहने के लिए हज़ारों जीआईएफएस हैं। भावनाओं की डिलीवरी स्लो नहीं, बल्कि सुपरसोनिक हो गई है। वह लिफ़ाफ़ा दो दिलों के बीच की गुप्त सुरंग नहीं, अब तो टाइम बर्बाद करने वाला एक काग़ज़ी ब्लैक होल लगता है ।

अब... जब कोई रिप्लाई नहीं आता, तो हम भी फ़ोन लॉक करके साइड में रख देते हैं और चैन की साँस लेकर ख़ुद से कहते हैं, सब ख़ैरियत है। आप भी ऐसा ही मान लीजिए ! सब ख़ैरियत है क्यों कि कोई ख़बर न होना ही आज कल सबसे बड़ी ख़बर है !

पुस्तक समीक्षा

डॉ. सुधीर सक्सेना

समीक्षक

कविता का क्षितिज- समकाल की छटा

डॉ. नीरज दइया समर्थ साहित्यकार हैं। अनेक विधाओं में पारंगत नीरज आलोचक हैं, अनुवादक हैं और संपदक भी। वह साहित्य अकादमी, नई दिल्ली, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर और राजधानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर से सम्मानित हैं। उनकी सोच और रचनाओं का फलक व्यापक है और उकने लेखन में नैरन्तर्य है। इधर न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन से उनकी तीन किताबें एक साथ आई हैं : बाल कथा साहित्य की 'इंद्रधनुषी सफर', स्वातंत्र्योत्तर राजस्थानी साहित्य डॉ. अर्जुनदेव चारण की राजस्थानी कविताओं के हिन्दी अनुवाद की कृति 'अगन सिनान' और आलोचना की 'कविता का क्षितिज'। कविता से नीरज का दूर का या पाठकीय रिश्ता नहीं है। वह स्वयं कवि हैं। कविता के मर्म को बूझते हैं और उन्होंने हिन्दी और राजस्थानी में परस्पर अनुवाद भी किया है। यह काम उन्होंने बहुत यत्नपूर्वक, गंभीरता और गहरी तल्लीनता से किया हे। इन सबके फलस्वरूप उन्होंने प्रसिद्धि, पहचान और प्रतिष्ठा अर्जित की है। उनकी 142 पेजी किताब 'कविता का क्षितिज', जिसका आवरण प्रसिद्ध चित्रकार कुँवर रवीन्द्र ने बनाया है, को इन्हीं सन्दर्भों में देखा और आंका जाना चाहिये।

'कविता का क्षितिज' में नीरज ने हिन्दी कविता के समकाल पर बात की है। यह बात उन्होंने 26 कवियों के बहनाने की है। आलोच्य-कृति में जहां आईदानसिंह भाटी, रति सक्सेना, कुँवर रवीन्द्र, फारूक आफरीदी, नवनीत पांडेय, मंगत बादल और सुभाष राय जैसे जाने-पहचाने परिचित कवि हैं, वहीं सपना भट्ट, ऋतु त्यागी, साधना प्रधान, नीलम पारीक, रजनी छाबड़ा, वत्सला पांडेय जैसी कवयित्रियां भी हैं। फेहरिस्त यहीं खत्म नहीं होती। उसमें ज्योति कृष्ण वर्मा, कुमार विजय गुप्त, बृजेन्द्र अग्निहोत्री, कुमार अजय जैसे नये नाम हैं, तो अनुवादक कवि संतोष अलेक्स, व्यंग्य-कवि लालित्य ललित, डॉ. संजीव कुमार, शंकरानंद, राजेन्द्र जोशी, मदनगोपाल लढ़ा, सत्यनारायण भी परिधि में समाहित हैं।

'कविता का क्षितिज' की शुरूआत नीरज ने दिलचस्प तौर पर मुझसे की है। शायद वरिष्ठता के नाते अथवा सम्मान-मिश्रित अनुरागवश। नीरज ने मुझ पर पहले भी लिखा है और मेरी कविताओं का हिन्दी से राजस्थानी में अनुवाद, जिसे वह अनुसृजन कहते हैं, भी किया है। लेख का उन्होंने शीर्षक दिया है: 'अनिर्मित काव्य-पंथ के पंथी।' इसमें उन्होंने मेरी करीब पांच दशकों में फैली कविता यात्रा को समेटने की कोशिश की है। मेरी कविताओं की विशद पड़ताल को शेष बताते हुये वह मानते हैं कि मेरी कविता लीक छोडकर चली है और वह असहजता को सहजता से स्वीकार करते हुये अपने विशिष्ट विन्यास में सामान्य से अलग हैं। उन्होंने मुझे कविता प्रांगण का अलबेला पंथी बताया है। एक समर्थ कवि-आलोचक अनुवादक का यह 'फीडबैक' मेरे लिये मायने रखता है। कविता और अनुवाद के साझा शिविर की बात करें तो इसमें रति सक्सेना, संतोष अलेक्स, रजनी छाबड़ा की कविताओं पर बात की है। रति का पहला संकलन सन 1999 में आया था और उन्होंने अनेक विधाओं में कलम चलाई है। उनकी भाषा में 'पोएटिक एलीमेंट' है। उनके लिए चांद उदयपुर की झील में कांसे की थाली सा तैरता खूबसूरत बिंब है। उनके तई हँसी एक प्रार्थना है। उनकी कविता का एक मिजाज यह भी कि उन्हें शहर एक गदबदे खरगोश सा नज़र आता है। यह सही है कि उनकी रचनात्मकता का विशद मूल्यांकन नहीं हुआ है।

सुभाष राय हमारे समय के महत्वपूर्ण कवि है। वह अच्छे अनुवादक भी हैं। 'बहुत कुछ होने की संभावना में' नीरज ने उनकी कविताओं की सार्थक पड़ताल की है। अक्क महादेवी पर किये काम से चर्चित सुभाष की कविता 'ईश्वर' बेहतरीन कविता है। उनकी कविता की एक बानगी कि आग नहीं होती। तो स्वप्न नहीं होते। स्वप्न नहीं होते तो प्रेम नहीं होता। कवि के तईं आग की तरह जन्म लेता है प्रेम। नीरज 'साठ पार' के कवि सत्यनारायण को प्रेमाश्रयी अथवा सूफी काव्यधारा का विस्तार अथव नव-संस्करण मानते हैं। नीरज के ही जरिये हम दाझे पाँवोवेल कवि आईदान से परिचित होते हैं और मंगत बादल से भी। शब्दों, रंगों और रेखाओं में यकसां दखल रखने वाले कुँवर रवीन्द्र के बारे में विस्तार से बात करते हुए नीरज ने उनकी अनगढ़ता में गढ़ने के शिल्प और प्रौढ़ता को रेखांकित

किया है। इस कवि के मिजाज को भांप इससे बूझ सकते हैं : मैं लाल, नीला, केसरिया या हरा। नहीं होना चाहता। मैं इंद्रधनुष होना चाहता हूँ। धरती के इस छोर से उस छोर तक फैला हुआ।

इसके आगे नीरज ने अपने गृहनगर के कवि नवनीत पांडेय की कविताओं पर बड़े मनोयोग से लिखा है। नवनीत चुप्पी को धोखा या छल मानते हैं और निर्भीक अभिव्यक्ति के हिमायती हैं। निरंजन श्रोत्रिय कहते हैं कि नवनीत राजनीतिक दुरभिसंधियों को उघाड़ते हैं, तो सुमन केशरी मानती हैं कि नवनीत की स्त्रियों को समर्पित कविताएं स्त्री के लिए समाज-प्रदत्त कर्तव्यों को अंतिम सत्य मानने से इंकार करती कविताएं हैं। नीरज ने वरिष्ठ कवि शहंशाह आलम की अर्जित भाषा की तारीफ की है ओर उनसे कल और बेहतर कविताओं की आश्वस्ति दर्शायी है। बकौल नीरज वत्सला की कविताएं व्याकुल स्त्री मन की कविताएं हैं ओर वे अनुभूति को सघन से सघन तक करते हुए काफी हद तक परस्पर एक दूसरे से जुड़ती हैं। ऋतु त्यागी के सद्य प्रकाशित संग्रह 'तितलियों के शहर में' की समीक्षा गहरी तल्लीनता की मांग करती है। ऋतु की कविताएं काव्यालोचन के लिए चुनौती प्रस्तुत करती हैं। 'कविता हमें भीतर से मुलायम करती हैं' को आप क्या कहेंगे = बयान, उदघोषणा, परिभाषा या दृष्टिकोण यह मुलायमियत ही है कि वह गणित की जगह कविता को चुनती हैं। दीर्घ के बजाय लघु पर अटकना कवयित्री ऋतु की सामथर्य दर्शाता है। इसी तरह मदनगोपाल लढ़ा के 'सुनो घगघर' की कविताएं स्थानीयता के रंगों से सजी हैं। उनमें सरलता, सहजता और सादगी है। अपने प्रथम कविता संकलन 'शब्द कभी बांझ नहीं होते' में फारूक आफरीदी का कविमन अभिव्यक्ति का वि तान रचता है, तो शंकरानंद कविता में सरल-सहज रहते हुये द्युति उत्पन्न करते हैं। संजीव कुमार 'तिष्यरक्षिता' में इतिहास के धूसर पृष्ठ का सुंदर काव्यात्मक रूपांतरण करते हैं, तो लालित्य की कवितायें जीवन के सौंदर्य की अभिव्यंजनायें हैं।

कवि-अनुवादक संतोष अलेक्स से हम सब परिचित है। सन् 2020 में आई 'पिता मेरे' उनकी लंबी कविता है। इसमें कवि ने पिता के अद्वितीय एहसास को सहेजने का काव्यात्मक उपक्रम किया हे। कवि की पंक्तियों मेरे लिए/ दो पैरों पर चलते/ईश्वर का नाम है पिता की अनुगूंज जेहन में देर तलक बनी रहती है। 'लौटा हुआ लिफाफा' में कुमार विजय गुप्त की विविधवर्णी कविताएं हैं। कुमार में हुनर है और वे साधारण और मामूली चीजों को असाधारण और जरूरी चीजों के रूप में प्रस्तुत करने की कुब्बत रखते हैं। रजनी छाबड़ा की कविताओं को नीरज ने भावों और अभावों के संवेदनात्मक शब्दचित्रों की संज्ञा दी है। ज्योति कृष्ण की छुईमुई कविताओं में जीवन का विराट सच प्रतिबिंबित हैं। कहाँ है मेरा आकाश के बाद अपने आकाश को खोज लेने में कामयाब रही हैं। साधना प्रधान की प्रथम कविता संकलन 'सद्योजात' उनकी काव्य प्रतिभा को स्थापित करते हुये भविष्य में बेहतर कविताओं की संभावना जताता है।

'कविता का क्षितिज' में एक छह पेजी लेख है = मनुष्य की संज्ञा और श्रेणी से बेदखल। यह लेख कवयित्री सपना भट्ट के नवीनतम संकलन 'भाषा में नहीं' पर है। लेख तवज्जो चाहता है। वजह कि सपना की कविताएं विरोधाभास में लिथड़े भारतीय समाज की सच्चाई को उजागर करती हैं। कवयित्री स्त्रीत्व के रंग की बात करती है। अंतर्कथाओं को समेटती उसकी कवितायें स्त्री के भीतरी-बाहरी संघर्षों का दस्तावेज हैं। स्त्रियों से हमारे समाज की अपेक्षायें क्या हैं = %इतने सलीके से ओढ़े दुपट्टे /कि छाती ढंकी रही/ पर मंगलसूत्र दीखता रहे/चेहरे पर हो इतना मेकअप / कि तिल तो दिखे ठोढ़ी पर का / पर रात पड़े थप्पड़ का /सियाह दाग छिप जाये। यह कविता मुझे बरबस ओड़ियां कवयित्री सुवाश्री लेंका की कविता की याद दिलाती हैं।

हरहाल, सपना की कविताओं में राग-विराग के मोहक शेड्स हैं और आस्वाद भी। उनकी कुछ कविताएं प्रिय कवियों के लिये भी हैं, जो नीरज को मेरी 'किताबें' दीवार नहीं होती की मित्रों के लिये लिखी कविताओं की याद दिलाती हैं।

डॉ. नीरज दइया को साधुवाद। कवियों के चयन में उनका औदार्य प्रशंसनीय है। कृति झरोखा खोलती है कि हम समकाल की कविता के एक और चमकीले टुकड़े को देख सकें। वह हमें कई परिचित-अपरिचित हस्ताक्षरों से परिचित कराती है और उनके संकलनों को पढ़ने की जिज्ञासा जगाती है, जहां समकाल की छटा बिखरी हुई है।

आशा कार्यकर्ता, उषा और आशा पर्यवेक्षक की 6 सूत्रीय मांगें एवं तीन माह से वेतन भुगतान नहीं होने पर कलेक्टर को दिया ज्ञापन

धार । मध्य प्रदेश आशा कार्यकर्ता उषा आशा पर्यवेक्षक संघ ने अपनी समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को दिया। धार जिले की समस्त आशा कार्यकर्ता उषा आशा पर्यवेक्षक अपनी मांगों को लेकर और 3 माह से वेतन भुगतान नहीं होने को लेकर ज्ञापन दिया गया। संघ की धार जिला अध्यक्ष संगीता मारू मोयाखेड़ा ने बताया कि मध्य प्रदेश सरकार ने 29 जुलाई 2023 को भोपाल के लाल परेड मैदान में आशा कार्यकर्ताओं की महापंचायत रखी थी तब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1000 प्रति साल बढ़ाने की घोषणा की थी वह राशि आज दिनांक तक नहीं मिल रही है । मध्य प्रदेश आशा कार्यकर्ता उषा आशा पर्यवेक्षक संगठन के इंदौर संभागीय अध्यक्ष शंकरलाल मारू ने बताया कि कार्यकर्ता को विगत तीन माह से भुगतान नहीं होने के कारण से दीपावली भी फीकी रही और हर त्योहार पर समय पर पैसा नहीं दिया जाता है और लोगों से कर्जा उधार लेकर त्यौहार मनाया जाता है । मारु ने बताया कि धार जिले की कार्यकर्ता को अन्य विभाग के नए-नए कार्य दिए जाते हैं आए दिन कार्यकर्ताओं को आला अधिकारियों द्वारा हटाने की धमकियां दी जाती है।

आशा उषा आशा पर्यवेक्षक की मुख्य मांगें

1. आशा उषा आशा पर्यवेक्षक को संविदा कर्मचारी मान्य किया जाए।
2. आशा कार्यकर्ता उषा कार्यकर्ता और आशा पर्यवेक्षक को लैपटॉप दिया जाए।
3. आशा कार्यकर्ताओं को 6000 की जगह 12000 दिया जाए।
4. आशा पर्यवेक्षकों को 15000 की जगह 30000 दिया जावे।
5. सेवा निवृत्ति के समय 10 लाख रुपए की राशि दी जाए।
6. कार्य के दौरान दुर्घटना या मृत्यु होने पर 5 लाख का मुआवजा दिया जाए।

धार जिला अध्यक्ष संगीता मारु के नेतृत्व में बड़ी संख्या में आशा कार्यकर्ता उषा आशा पर्यवेक्षक अपनी समस्याओं को लेकर धार पहुंची और कलेक्टर को ज्ञापन दिया। धार ब्लॉक अध्यक्ष किरण भोसले, अनीता शर्मा, सरदारपुर से दुर्गा वर्मा, राखी माली बदनावर से नीलोफर, मनावर से ब्लॉक अध्यक्ष मधु शर्मा, रानी राजकुमार सरदारपुर, बदनावर से माया आशा सुपरवाइजर, ललिता आशा सुपरवाइजर सुनीता सोलंकी,बड़ी संख्या में सैकड़ो कार्यकर्ता पहुंची थी। ज्ञापन लेने जब तक कलेक्टर और सीएमएचओ नहीं आए तब तक वहां से कार्यकर्ता नही हटी। कलेक्टर एवं जिला स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी ने आश्वासन दिया कि एक हफ्ते में सारा भुगतान हो जाएगा। जानकारी संगठन के इंदौर संभागीय अध्यक्ष शंकर लाल मारू ने दी।

अवैध शराब की तस्करी करते दो गिरफ्तार

अवैध शराब व कार सहित कुल 6 लाख 60 हजार रुपये का मशरूका जप्त

बैतूल/मुलताई। बीती रात मुलताई पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर सफेद रंग की स्विफ्ट कार से अवैध शराब की और तस्करी करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 136.68 लीटर शराब, कीमत करीब 1,56,000 रुपये बरामद की गई है। मोहन यादव सरकार द्वारा प्रदेश की 17 पवित्र एवं धार्मिक नगरियों में शराबबंदी लागू की गई है। जिसके चलते पवित्र नगरी मुलताई की सभी देशी-विदेशी शराब दुकानें बंद कर दी गई हैं, किंतु इसके बाद नगर की गलियों में शराब तस्करों की बाढ़ आ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बोरदेही की ओर से एक सफेद कार में अवैध शराब लेकर मुलताई की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस रवाना हुई और बोरदेही की ओर जाते समय एक सफेद स्विफ्ट कार आती दिखाई दी। रोकने का प्रयास करने पर कार चालक ने टेमझिरा लिंक रोड की ओर कार मोड़ दी। पीछा कर कार को रोककर पूछताछ की गई। कार चालक ने अपना नाम मनीष शाह (42 वर्ष) निवासी बंगाली कॉलोनी, मुलताई बताया तथा कंडक्टर सीट पर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम रोहित पिता इन्द्राज धोगले (24 वर्ष) निवासी भगतसिंह वार्ड, मुलताई बताया। कार क्रमांक एमपी 04 सीसी 4605 की तलाशी लेने पर शराब की पेटियां मिलीं। जिसमें रॉयल चैलेंज शराब 33 बोतल, प्रत्येक 750 एमएल, रॉयल चैलेंज शराब 48 पाव, प्रत्येक 180 एमएल, रॉयल स्टेज शराब 48 पाव, प्रत्येक 180 एमएल, सिग्नेचर प्रीमियम शराब 96 पाव, प्रत्येक 180 एमएल, रॉयल स्टेज शराब की सीलबंद बोतलें, प्रत्येक 750 एमएल, आइकोनिक व्हाइट शराब 134 पाव, प्रत्येक 180 एमएल, देशी मदिरा प्लेन के 250 पाव, प्रत्येक 180 एमएल, जिनकी कुल कीमत 136.68 लीटर शराब कीमत लगभग 1,56,000 रुपये है। लाइसेंस संबंधी पूछताछ में आरोपी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। उनका कृत्य आबकारी एक्ट की धारा 34(2) का अपराध पाया गया। तलाशी के दौरान रोहित धोगले के पास से ओप्पो कंपनी का एक काला मोबाइल कीमत लगभग 4,000 रुपये और घटना में प्रयुक्त सफेद कार कीमत करीब 5,00,000 रुपये बरामद की गई। कुल मशरूका 6,60,000 रुपये जप्त किया गया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 1022/25 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश किया गया। नगर में शराब, जुआ, सट्टा तथा भूमाफियाओं के खेमे तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। जिसके चलते आपराधिक गतिविधियां भी लगातार बढ़ रही हैं और प्रशासन के लिए यह चुनौती बनती जा रही है क्योंकि हर खेमा किसी ना किसी प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़ा नजर आता है।

सोनाघाटी रेलवे पुल की चौड़ाई कम होने से एक साथ नहीं निकल पाते दो वाहन

5 मीटर चौड़े पुल से निकल रहे वाहन, हादसों का डर

बैतूल। सोनाघाटी रेलवे पुल की टर्निंग पर सड़क बेहद संकरी है। सड़क की चौड़ाई आज तक नहीं बढ़ाई है। केवल 7 मीटर चौड़ी इस सड़क पर सोनाघाटी पुलिया जैसी जगह पर चौड़ाई 5 मीटर ही है। यहां चारपहिया वाहन के आने पर बाइक तक नहीं निकल पाती। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस सडक़ को चौड़ा करने की सुध नहीं है। वहीं इसी सडक़ पर सदर के ओवरब्रिज पर तो ऐसे जाम लगते हैं कि बगल के फुटपाथ पर खतरा मोल लेकर बाइक चालकों को दूसरी ओर जाना पड़ता है। बडोरा मंडी में भी अब मक्का खरीदी का सीजन आने वाला है ऐसे में अब यहां परेशानियां बढ़ सकती हैं। दरअसल बैतूल शहर से दोनों दिशाओं में भोपाल की ओर 30 मीटर चौड़ा बैतूल-इटारसी फोरलेन और महाराष्ट्र की ओर 30 मीटर चौड़ा बैतूल-नागपुर फोरलेन बन चुका है। लेकिन बीच में जिस 13 किलोमीटर सडक़ पर सबसे ज्यादा बैतूल और बैतूल बाजार के शहरवासी आना-जाना करते हैं, जहां सबसे ज्यादा ट्रैफिक रहता है। इसे चौड़ा करने की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसके कारण वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

विभाग ने दोबारा नहीं भेजा प्रपोजल

-बैतूल से नागपुर तक 177 किमी फोरलेन 2200 करोड़ से 2014 में बनाया गया। इसी तरह बैतूल इटारसी 650 करोड़ के 72 किमी फोरलेन में से 51 किमी बनने के बाद इस पर भी ट्रैफिक चालू है। बैतूल के आसपास तो खूब चौड़ी फोरलेन सडक़ें बनी। लेकिन बैतूल शहर से गुजरने वाली पुराने एनएच 69 की सडक़ आज भी संकरी है। 2015 में एनएचएआई से पीडब्ल्यूडी को हैंडओवर की इस सडक़ पर सोनाघाटी पुलिया की सडक़ तो केवल 4.5 मीटर चौड़ी है। इसे 25 मीटर करने की मांग कई बार उठी, लेकिन पीडब्ल्यूडी ने एक बार 2015 में प्रपोजल भेजने के बाद उस समय बजट का इंतजाम नहीं होने पर दोबारा प्रस्ताव ही नहीं भेजा। जबकि सडक़ को छोडक़र अन्य सभी सडक़ें जिन का बैतूल शहरवासी बहुत ज्यादा उपयोग नहीं करते सभी चौड़ी हो चुकी हैं।

हो चुके है कई हादसे, फिर भी ध्यान नहीं -सोनाघाटी रेलवे पुल के पास पूर्व में कई हादसे हो चुके है। जिसके पीछे बड़ा कारण सडक़ की कम चौड़ाई है। बताया गया कि इस सडक़ पर सोनाघाटी पुलिया की सडक़ तो केवल 4.5 मीटर चौड़ी है। जिसके कारण दो वाहन एक साथ क्रॉस नहीं हो पाते है। सोनाघाटी रेलवे पुल की हालत तो ऐसी है कि यहां चार पहिया वाहन के आने पर बाइक तक नहीं निकल पाती। लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग ने इस सडक़ को चौड़ा करने की सुध नहीं है। इसी तरह सदर के सबसे ज्यादा ट्रैफिक वाले ओवर ब्रिज पर दोनों ओर ट्रैफिक इतना ज्यादा था कि वाहन फुटपाथ पर चलाना मजबूरी बन गया। ऐसे में इस सडक़ पर हादसों का खतरा और भी बढ़ गया है।

इनका कहना है -

सोनाघाटी रेलवे पुल के पास सडक़ चौड़ीकरण की ओर भविष्य में ध्यान दिया जायेगा। यदि बजट की व्यवस्था होगी तो उच्चाधिकारियों से मार्गदर्शन लेकर प्रपोजल भेजा जाएगा।

- प्रीति पटेल, ईई, पीडब्ल्यूडी बैतूल

श्री राधा कृष्ण के गीतों ने बाँधा समा

श्री गौड़ ब्राह्मण समाज का अन्नकूट हुआ

धार। रविवार को श्री गौड़ ब्राह्मण समाज का तृतीय अन्नकूट महोत्सव हुआ। श्री गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। समिति अध्यक्ष सुधीर त्रिवेदी ने बताया आयोजन अनिल प्लाजा में हुआ। राजस्थान से आये दल ने राधा कृष्ण के गीतों पर सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति दी। गीतों पर महिलाये भी थिरक उठी। समाज की महिलाओं ने भी आकर्षक गरबों की प्रस्तुति दी। ठाकुर जी की आरती के साथ भगवान को 56 भोग भी लगाए।

त्रिवेदी ने बताया कि आयोजन में भारतीय सेना दिलीप रावत सा (सेवा निवृत),वर्तमान में जम्मू कश्मीर में सेवा दे रहे मनीष सुभाष त्रिवेदी महाराज खेड़ी वाले, पुलिस विभाग सेवा निवृत ,कैलाश चंद्र व्यास, दिनेश तिवारी ,वीणा दुबे ,मप्र पुलिस वर्तमान पदस्थ, नवीन जोशी, आलेख दुबे ,सुशील मंडलोई समाजसेवी, दानदाताओं का सम्मान हुआ डॉ. के सी शुक्ला सा पूर्व जिला चिकत्सा अधिकारी भारत सरकार द्वारा धार के प्रथम नोटरी अधिवक्ता एड. प्रधुम्मन पाठक का सम्मान किया गया। आयोजन के बाद भंडारा भी हुआ। संचालन रुपाली मांडलिक और आभार अरविन्द त्रिवेदी ने माना । जानकारी अमित मंडलोई ने दी।

तुम बंसी बजाते हो गीत पर थिरके

स्वागत के बाद राजस्थान से आये दल ने प्रस्तुति दी। दल ने तुम बंसी बजाते हो गीत पर सुन्दर नृत्य किया।

समाज की महिलाओ ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इसके बाद महिलाओ ने भी सुन्दर गरबों की प्रस्तुति दी।

ये उपस्थित थे..

संरक्षक सुभाष पाठक,कोषाध्यक्ष विजय कानूनगो, उपाध्यक्ष कैलाश मंडलोई,अनिल जोशी, अन्नकूट प्रभारी, अजय पाठक, अरविंद त्रिवेदी,राजेश रावल, प्रफुल्ल पाठक, मुकेश रावल,संदीप रावत,निमंत्रण प्रभारी उज्जवल दुबे, महासभा अध्यक्ष किरण जोशी, महोत्सव अध्यक्ष सोनल दुबे, उपाध्यक्ष वर्षा व्यास,माधुरी पाठक,संध्या दुबे मौजूद रहे।

गौ माता की सुरक्षा-संवर्धन के संकल्प के साथ चप्पल त्याग पदयात्रा पहुंची बैतूल

राष्ट्रीय हिन्दू सेना ने किया भव्य स्वागत, छिंदवाड़ा से निकली 400 किमी की पदयात्रा

बैतूल। छिंदवाड़ा जिले के नवेगांव से गौ भक्त कृष्णा ठाकुर के नेतृत्व में निकली चप्पल त्याग गौ माता सम्मान पदयात्रा ने पूरे प्रदेश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। करीब 400 किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा का उद्देश्य गौ माता की सेवा, सुरक्षा और सम्मान के लिए मध्यप्रदेश सरकार से ठोस कदम उठवाना है। 17 अक्टूबर से प्रारंभ हुई यह यात्रा 5 नवम्बर को भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास पहुंचेगी, जहां पदयात्री मुख्यमंत्री से भेंट कर अपनी मांगें रखेंगे। यात्रियों ने अपनी प्रमुख मांगों में छिंदवाड़ा में विशाल गौशाला निर्माण, नगर व तहसील क्षेत्रों में गौ माता की सुरक्षा हेतु गौशालाओं की स्थापना, गौ हत्या और गौ तस्करी पर कठोर कार्रवाई, गौ एंबुलेंस में विशेष उपचार टीम की व्यवस्था, गोवंश तस्करी में लिप्त वाहनों को तत्काल राजसात करने तथा सडक़ दुर्घटनाओं में मृत गोवंश का विधिविधान से अंतिम संस्कार कराने की व्यवस्था जैसी मांगे रखी हैं। इसके साथ ही उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार शीघ्र ही गौ माता को राज्य माता का दर्जा प्रदान करे। यात्रा जब बैतूल नगर पहुंची तो राष्ट्रीय हिन्दू सेना के जिलाध्यक्ष अनूज राठौर के नेतृत्व में यात्रियों का भगवा वस्त्र से भव्य स्वागत किया गया।

सांसद विधायक ने किया डोहलन बिहरगांव सड़क भूमि पूजन

बैतूल/मुलताई। केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके, विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने डोहलन से बिहरगांव 3.50 कि. मी मार्ग सडक़ निर्माण का भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा की डोहलन से बिहरगांव 3.50 किमी सड़क बनने से क्षेत्र वासियों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी, अब उन्हें आने -जाने में परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा द्य वही केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा क्षेत्र के सहज-सरल लोकप्रिय विधायक चंद्रशेखर देशमुख के अथक प्रयासों से डोहलन से बिहरगांव सडक़ निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है, मुलताई विधानसभा में विकास कार्य के लिए वह हमेशा प्रतिबद्ध रहते हैं द्य क्षेत्र की समस्या के समाधान के लिए अक्सर वह मुझे संवाद करते हैं द्य उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारी एंव निर्माण एजेंसी ठेकेदार से बेहतर क्वालिटी की सडक़ बनाने के निर्देश दिये। सडक़ निर्माण भूमि पूजन के अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके, भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, विधायक चंद्रशेखर देशमुख, प्रभात पट्टन भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश धाकड़, भाजपा वरिष्ठ नेता राजेश पाठक, मंडल प्रभारी इंद्रपाल, जनपद सदस्य नितेश, पूर्व सरपंच गुलाबराव सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एंव ग्रामीण जन उपस्थित थे।

साहित्यकार श्रीकांत द्विवेदी की दो पुस्तकों का विमोचन

समाज के प्रति हमारे उत्तरदायित्वों का बोध कराती है कविता : डॉ . स्वाति तिवारी

धार । कविता किसी संवेदनशील व्यक्ति की भावों की पद्यात्मक अभिव्यक्ति है । यह स्वतः निसृत होती है और प्रयत्न पूर्वक कागज पर उतारी जाती है । कविता हमारी संवेदनाओं को जगाए रखने में सहायक होती है । साथ ही यह हमें अपने मनुष्य होने का अहसास भी कराती है । इसके अलावा समाज के प्रति हमारे उत्तरदायित्वों का बोध भी कराती है। ये उद्गार साहित्यकार डॉ . श्रीकांत द्विवेदी की दो पुस्तकें 'क्षितिज के उस पार' कविता संग्रह तथा 'उगा चंदा, तेरा यही धंधा' व्यंग्य संग्रह के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कथा लेखिका डॉ . स्वाति तिवारी ने व्यक्त किए। आगे बोलते हुए डॉ . स्वाति ने बताया कि डॉ . श्रीकांत की विचारात्मक कविताएं मुझे अधिक सशक्त एवं चिंतन से भरी हुई जान पड़ती । कवि का चिंतन व्यक्तिगत न होकर समूचे समाज के लिए है ।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे सुप्रसिद्ध कार्टूनिस्ट इस्माइल लहरी ने कहा कि व्यंग्य मजाक नहीं बल्कि एक गंभीर विधा है । व्यंग्य को समझना हो तो खुद को समझना पड़ता है । खुद को समझना यानी अपने को जगाना । तभी सत्य की तलाश होती है । आत्मा की आवाज से लिखे लेखन में परमात्मा की आवाज होती है ।

समारोह के विशेष अतिथि प्रेस क्लब, इंदौर के महासचिव प्रदीप जोशी ने कहा कि मीडिया के लिए खबरें लिखना एक अलग बात है, जबकि साहित्यिक लेखन एक तरह की शब्द साधना होती है । विशेष अतिथि धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष पं . छोटू शास्त्री ने बताया कि किसी भी लेखक का व्यक्तित्व उसके लेखन में झलकता है । इसलिए आज के दौर में सार्थक लेखन बहुत जरूरी है ।

समारोह को मप्र लेखक संघ के अध्यक्ष श्रीवल्लभ विजयवर्गीय, भोज शोध संस्थान के निदेशक डॉ. दीपेन्द्र शर्मा, अभा साहित्य परिषद, धार के अध्यक्ष शरद जोशी , पत्र लेखक संघ के प्रांताध्यक्ष दिनेश तिवारी 'उपवन' तथा साहित्य वाटिका की अध्यक्ष डॉ. रागिनी स्वर्णकार ने भी संबोधित किया । इस अवसर पर पं . दीनानाथ व्यास स्मृति प्रतिष्ठा समिति की अध्यक्ष डॉ. रूचि बांगडदेव , हैदराबाद, मप्र जन सम्पर्क विभाग के पूर्व संचालक एवं मीडिया वाला के प्रधान संपादक सुरेश तिवारी, ललित त्रिवेदी, कृष्ण कुमार ठक्कर, डॉ. पीएफ जाधव, डॉ. संजय निगम, डॉ. राघवेन्द्र तिवारी, प्रोफेसर सुनील पाठक, कवि संदीप शर्मा, कवि डॉ. लोकेश जड़िया तथा अनेक साहित्यकार, पत्र लेखक, पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। जानकारी देते हुए कपिल द्विवेदी ने बताया कि आयोजन की शुरुआत डॉ. मुक्ता त्रिवेदी की सरस्वती वंदना तथा ईवान रावल के स्वागत गीत के साथ हुई । स्वागत भाषण लक्ष्य द्विवेदी ने दिया। आयोजन के सूत्रधार द्विवेदी परिवार की ओर से अतिथियों का माला, शाल तथा प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। संचालन अंकित त्रिवेदी ने तथा आभार अक्षत द्विवेदी ने किया ।

प्रेरणा और प्रोत्साहन का नाम है द जूडी अवॉर्ड 2025

घर सुधरेगा तो जग सुधरेगा, बालाजीपुरम् में परिवार परिचर्चा में अभिनव पहल

11 नवंबर को दिया जाएगा किसी संपूर्ण नारी को एक लाख का द जूडी अवॉर्ड

बैतूल। घर सुधरेगा तो जग सुधरेगा.. इस बात की अभिनव पहल आज रविवार को भारत के पांचवेधाम श्री रूकमणि बालाजी मंदिर बालाजीपुरम् बैतूल से हुई। परिवार परिचर्चा के नाम से आयोजित इस सेमीनार में जिले ही नहीं अपितु प्रदेश के वक्तागण और सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के प्रमुख भारी संख्या में मौजूद थे। सबसे पहले भगवान बालाजी का पूजन और दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा की उपस्थिति मे की गई। इसके बाद कार्यक्रम के संचालक सुनील व्दिवेदी ने परिचर्चा का कारण बताया और सभी को अपने विचार रखने को कहा। भोपाल से आए चिंतक-विचारक रितेश शुक्ला, ब्रह्मकुमारी आश्रम की प्रमुख मंजू दीदी, गायत्री परिवार के संभाग प्रमुख डा कैलाश वर्मा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दिनेश सोनी, वरिष्ठ समाजसेवी नरेन्द्र,शुक्ला, जन अभियान परिषद के संभाग प्रमुख कौशलेश तिवारी, समाजसेवी सीमा चौरिया, शारदा समिति के शैलेन्द्र बिहारिया,धीरज बोथरा आदि ने अपने विचार रखे और परिवार को एकजुट रखने के तरीके बताए। इस बात पर भी सभी की सहमति बनी कि आगामी 11 नवंबर को एक बड़ा कार्यक्रम बालाजीपुरम में होगा। इसमें एक लाख का पुरस्कार उस महिला को दिया जाएगा जो परिवार और समाज को एकजुट कर चलती है।

सेमीनार में शैलेन्द्र बिहारिया ने कहा कि किसी ने सटीक कहा है कि प्रेरणा और प्रोत्साहन के चंद शब्द किसी का भी जीवन बदल सकते है देश विदेश के लोगों से प्रेरणा लेने और उन्हें प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारत के पांचवे धाम बालाजीपुरम से यह पहल प्रारंभ की जा रही है जिसको जूडी अवार्ड के नाम से संजोया गया है।

सेमीनार में बताया गया कि यह पुरस्कार संपूर्ण महिला को दिया जाएगा। एक संपूर्ण महिला में सही निर्णय लेने की क्षमता होती है, वह विचारशील निर्णय लेती है और वाणी और कार्य में अंतर्दृष्टि प्रदर्शित करती है। वह अपनी और अपने परिवार की गरिमा और सम्मान के साथ मूल्य जानती है। उसमें कठिनाई, भय और विपत्ति का सामना करने की मानसिक और नैतिक शक्ति है, और असफलताओं से उबरने की क्षमता है। वह अपनी और अपने परिवार की समृद्धि के लिए परिस्थितियों के अनुसार कार्य करती है। वह परिवार, साथी और सामाजिक कारणों के प्रति गहरा स्नेह, वफादारी और प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। उसमें दूसरों की भावनाओं को समझने और साझा करने की क्षमता है, दयालुता दिखाती है और अपने आसपास के लोगों की भलाई के लिए वास्तविक चिंता रखती है।

नामांकन कैसे करे .....

जूडी पुरस्कार समाज के विभिन्न वर्गों जैसे राजनीति, कला, साहित्य और संस्कृति, खेल, नौकरशाही, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षाविद और मानव गतिविधियों के अन्य विविध वर्गों से शीर्ष नामांकित महिलाओं को प्रदान किया जाएगा।

नामांकित व्यक्ति एक विनम्र गांव से लेकर दुनिया के किसी भी महानगरीय शहर तक की भारतीय महिला हो सकती है। दुनिया में कोई भी व्यक्ति किसी भी भारतीय महिला को इस पुरस्कार के लिए नामांकित करने के लिए पात्र है। नामांकन वेबसाइट जूडी पर किया जा सकता है। इस आयोजन में समाजसेवी बंटी सरदार, पप्पी शुक्ला, पिंकी भाटिया, बलवंत धोटे, विवेक बंटी वर्मा, ऋषि वर्मा, मनोज तिवारी, विवेक शुक्ला, राजेश मदान, ललित सरले, आनंद राठौर, वंदना कुंभारे, तरूणा व्दिवेदी, निमिषा शुक्ला, बिंदू मालवीय, सीमा साहू, कल्पना मांझी, सरिता राठौर, साक्षी शर्मा, पूजा अमझरे, हरीश गढ़ेकर, अशोक देशमुख, राज बाघमारे आदि मौजूद थे।

कलेक्टर ने की मप्र स्थापना दिवस की तैयारियों की समीक्षा

बैतूल। मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 1 नवंबर को जिला मुख्यालय स्थित जयवंती पीजी हॉक्सर कॉलेज में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के

आयोजन के संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में विस्तृत समीक्षा कर स्थापना दिवस के गरिमामय आयोजन के लिए सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि स्थापना दिवस के अवसर पर राज्य शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन कर सभी तैयारियां समय सीमा में पूर्ण की जाए। उन्होंने जिले के गौरवशाली व्यक्तित्व, प्रमुख ऐतिहासिक एवं पर्यटक स्थलों, विभिन्न योजनाओं और एक जिला एक उत्पाद पर केन्द्रित प्रदर्शनी के आयोजन के निर्देश दिए।

परीक्षा परिणाम सुधारने हेतु कार्यशाला आयोजित

शासकीय विद्यालयों में परीक्षा परिणाम बढ़ाने हेतु प्रस्तुत की गई कार्य योजना

रायसेन (निप्र)। जिले के शासकीय स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और परीक्षा परिणाम में वृद्धि हो, बच्चों का बेहतर बौद्धिक तथा शैक्षणिक विकास हो इसके लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में 25 अक्टूबर को रायसेन स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की उपस्थिति में अंग्रेजी तथा गणित विषय का अध्यापन कार्य कराने वाले शिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें अधिक परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के शिक्षक तथा न्यूनतम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षकों को 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम लाने के लिए मेहनत करने के निर्देश देते हुए कहा कि शासकीय स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर शिक्षा मिले, इसमें शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शासकीय विद्यालयों में शासन द्वारा आवश्यक संसाधनों सहित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

शैक्षणिक गतिविधियों को रूचिकर बनाने के लिए शिक्षक नवाचार करें। उन्होंने अधिक परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के शिक्षकों से बच्चों को पढ़ाने के तरीकों के बारे में जानकारी लेते हुए कम परीक्षा परिणाम वाले विद्यालयों के शिक्षकों से कहा कि वह अपने साथियों से समझें कि बेहतर तरीके से शैक्षणिक कार्य किस प्रकार कर सकते हैं। बच्चों का उत्तीर्ण प्रतिशत बढ़ाने के लिए मॉडल टेस्ट पेपर का अभ्यास कराएं। बच्चों को अच्छे परिणाम के लिए कैरियर काउंसलिंग की मदद से प्रोत्साहित करें। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में 60% से कम परीक्षा परिणाम वाले विषय गणित के 23 शिक्षकों एवं अंग्रेजी के 31 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें गणित विषय के 100% परीक्षा परिणाम देने वाले विषय शिक्षक श्री पीएस धाकड़, शासकीय बा. उमावि बरेली एवं श्रीमती काजल साहू शासकीय उमावि गुगलवाड़ा द्वारा परीक्षा परिणाम संबंधित योजना प्रस्तुत की गई। इसके पश्चात 60 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों ने भी इस वर्ष परीक्षा परिणाम सुधार किए जाने हेतु योजना प्रस्तुत की। इसी प्रकार अंग्रेजी विषय के 100% परीक्षा परिणाम देने वाले विषय शिक्षक श्रीमती अनुपमा जैन शासकीय उत्कर्ष विद्यालय रायसेन एवं श्रीमती मीना शर्मा शासकीय ब. उमावि बरेली द्वारा परीक्षा परिणाम संबंधित योजना प्रस्तुत की गई। कार्यशाला में 60% से कम परीक्षा परिणाम वाले शिक्षकों ने भी इस वर्ष परीक्षा परिणाम सुधार किए जाने हेतु योजना प्रस्तुत की। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक सहित संबंधित अधिकारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्बाइड गन और प्रतिबंधित पटाखे की जांच पड़ताल जारी

विदिशा तहसीलदार ने रामलीला की पटाखा दुकानों में पहुंचकर की जांच

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने विदिशा जिले में तेज आवाज वाले पटाखे और कार्बाइड गन के भंडारण और क्रय, विक्रय पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने राजस्व अधिकारियों को इस आदेश के सख्त अनुपालन की निगरानी के निर्देश भी दिए हैं। प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आज विदिशा तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी ने विदिशा के रामलीला परिसर में लगाई गई पटाखा दुकानों की सघन जांच पड़ताल की। उन्होंने यहां अवैध पटाखे, आतिशबाजी, लोहा, स्टील अथवा पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भरकर अत्यधिक ध्वनि उत्पन्न करने वाले अवैध संशोधित पटाखे और कार्बाइड गन का निर्माण, भंडारण, या विक्रय तो नहीं हो रहा है की गहन जांच पड़ताल की है। तहसीलदार श्रीमती प्रीति पंथी ने दुकान संचालकों को सख्त हिदायत देते हुए निर्देशित किया है कि प्रतिबंधित किए पटाखे या कार्बाइड गन इत्यादि का भंडारण और विक्रय नहीं करेंगे अन्यथा उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। आम नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से विदिशा जिले में राजस्व अधिकारियों द्वारा पटाखा दुकानों निरंतर की जांच की कर कहीं कार्बाइड गन या प्रतिबंधित पटाखों का क्रय, विक्रय या प्रदर्शन तो नहीं हो रहा है की गहन जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बान्द्राभान मेला-2025 : वाहन किराया निर्धारित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बान्द्राभान मेला-2025 का आयोजन 03 नवम्बर से 06 नवम्बर तक माँ नर्मदा एवं तवा संगम स्थल पर किया जाएगा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी नर्मदापुरम रिंकू शर्मा ने बताया है कि मध्यप्रदेश शासन परिवहन विभाग द्वारा नगर वाहनों को छोड़कर सामान्य प्रक्रम वाहनों के लिए प्रति यात्री प्रति किलोमीटर के लिए 1.25 प्रति यात्री प्रति किलोमीटर निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार नर्मदापुरम से बांद्राभान के लिए प्रति यात्री 9.50 रूपए, इटारसी से बांद्राभान 32 रूपए, माखननगर से 38.25 रूपए, सिवनीमालवा से 69.50 रूपए, सोहागपुर से 72 रूपए, पिपरिया से 97 रूपए, बुधनी से 20.75 रूपए एवं भोपाल से बांद्राभान का किराया प्रति यात्री 103.50 रूपए निर्धारित किया गया है

वनग्रामों के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन की तैयारियों संबंधी बैठक आयोजित

हरदा (निप्र)। जिले के वनग्रामों का राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन किये जाने की तैयारियों के संबंध में कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में वनमण्डलाधिकारी श्री अनिल चौपड़ा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली जोसेफ, एसडीएम श्री संजीव नागू, सहित राजस्व एवं वन विभाग के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में वनग्रामों को राजस्व ग्रामों में परिवर्तन के लिये आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। साथ ही ग्राउण्ड ट्रूथिंग करने की व्यवस्था की जानकारी ली गई। इस दौरान वनाधिकार दावों के लंबित मामलों के निराकरण के भी निर्देश दिये गये। संपरिवर्तन के दौरान कृषि रकबे का इंद्राज, वनग्रामों की बाहरी सीमाओं के निर्धारण के भी निर्देश दिये गये।

भुन्नास के दीपक जाट ने सबसे पहले भावान्तर योजना में बेचा सोयाबीन

हरदा (निप्र)। जिले में प्रदेश सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई भावान्तर योजना की शुक्रवार को शुभ मुहुर्त में जिले में शुरूआत हुई। हरदा की कृषि उपज मण्डी में भुन्नास निवासी श्री दीपक बाबूलाल जाट ने अपना 27 क्विंटल 48 किलोग्राम सोयाबीन बेचकर योजना का शुभारम्भ किया, जिसकी खरीदी जैन इंडस्ट्रीज हरदा द्वारा की गई। श्री दीपक को विक्रय किये गये सोयाबीन का 4651 रूपये प्रति क्विंटल भाव मिला। मण्डी प्रबन्धन द्वारा इस दौरान सोयाबीन विक्रय करने आये किसानों को मिष्ठान खिलाकर, पुष्पहार व तिलक से स्वागत किया गया। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने हरदा कृषि उपज मण्डी पहुँचकर भावान्तर योजनार्न्तगत सोयाबीन खरीदी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने मण्डी परिसर में सोयाबीन बेचने आने वाले किसानों के लिये पेयजल, छाया व बैठक व्यवस्था के समूचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होने निर्देश दिये कि सोयाबीन बेचने आने वाले किसानों की ट्रेक्टर ट्रालियों को सुव्यवस्थित तरीके से खड़ी कराई जाए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मण्डी परिसर में संचालित किसान ई-पंजीयन केन्द्र व तौल कांटे की व्यवस्थाएं भी देखीं। इस दौरान कलेक्टर ने मण्डी परिसर में उपस्थित किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याओं और योजनाओं के प्रति उनकी जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

जिले को तंबाकू मुक्त बनाने के लिए संचालित की जा रही हैं अनेक गतिविधियां

सीहोर (निप्र)। देश में तंबाकू के अत्यधिक उपयोग एवं उससे होने वाली ओरल कैंसर जैसी बीमारियों से नागरिकों को बचाने और जागरूक करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 09 अक्टूबर से 09 दिसंबर तक 60 दिवसीय विशेष अभियान टोबैको फ्री यूथ कैंपेन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार इस विशेष अभियान के तहत विभिन्न विभागों द्वारा सीहोर जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

फर्जी बिजली बिल भुगतान को कलेक्टर और सीईओ ने पकड़ा, दोषी ऑपरेटर और वेंडर पर होगी एफआईआर

जनपद कार्यालय के 3 कर्मचारी को कलेक्टर ने किया निलंबित

बैतूल (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावासों में विद्युत देयकों में 40 लाख 4 हजार की राशि के फर्जी भुगतान की वित्तीय अनियमितता सामने आई हैं, जिसे कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी और सीईओ जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने सजगता और सतर्कता से पकड़ा है। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य विभाग बैतूल के छात्रावासो के विद्युत देयको का भुगतान जनपद पंचायत बैतूल कार्यालय के डीडीओ से जिला कोषालय में भुगतान के लिए भेजकर भुगतान की कार्यवाही की जाती है। आनलॉईन रिकंसिलिएशन रिपोर्ट की जाँच में भुगतान में वित्तीय अनियमितता देखने पर सीईओ जनपद बैतूल सुश्री शिवानी राय ने कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत को इसकी जानकारी दी। जिस पर कलेक्टर बैतूल श्री सूर्यवंशी और सीईओ जिला पंचायत श्री जैन ने उक्त प्रकरण में अनियमितता पाए जाने पर विस्तृत जॉच के निर्देश दिए। जिसमें जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती मीनाक्षी दाहरे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बैतूल सुश्री राय द्वारा संयुक्त रूप से जांच की गई। जांच में पाया गया कि लॉगिन आईडी का दुरूपयोग कर फर्जी वेण्डर निर्मित कर भुगतान कार्य किया गया। आनलाईन रिकंसिलिएशन रिपोर्ट एवं पेमेंट आर्डर सीट से यह स्पष्ट हुआ कि विद्युत बिलो का भुगतान विद्युत विभाग के खाते के अलावा फर्जी वेण्डरो के खातो में किया जा रहा है। फर्जी वेण्डरो की जॉच में जामठी निवासी धर्मेन्द्र वरकडे की वित्तीय अनियमितता संज्ञान में आई। संबंधित के बैंक स्टेटमेंट की जाँच पर देखा गया कि संबंधित का जनपद कार्यालय के ऑपरेटर के रूप में कार्यरत भृत्य श्री छत्रपाल मर्सकोले से युपीआई लेनदेन है एवं दोनो एक दूसरे के परिचित भी हैं और एक ही ग्राम के निवासी है। उक्त तथ्य की पूछताछ करने पर ऑपरेटर छत्रपाल मर्सकोले द्वारा स्वीकार भी किया गया कि उक्त कृत्य उसके द्वारा स्वयं के लाभ के लिये किया गया है। जॉच के दौरान तत्कालिक कार्यवाही के रूप गबन की गई 5 लाख 24 हजार की राशि शासकीय चालान से जमा कराई गई। विस्तृत जॉच करने पर धर्मेन्द्र वरकडे सहित 06 फर्जी वेण्डर म.वि.वि.कं.लि. बैतूल के नाम से पंजीकृत पाये गये जिन्हें 40 लाख की राशि का भुगतान होना पाया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी के निर्देश पर फर्जी भुगतान के लिए जनपद कार्यालय के भृत्य छत्रपाल मर्सकोले को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 739 गर्भवती महिलाओं की जांच

बैतूल (निप्र)। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का समय पता लगाने और समय रहते उनका उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने के लिए शुरू किए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि शनिवार को जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर के में स्त्री रोग चिकित्सक मोनिका सोनी एवं डॉ प्रियंका पटैया द्वारा 74 गर्भवती महिलाओ की चिकित्सकीय जांच की गई , जिसमें 26 गर्भवती महिलाओं को हाई रिस्क के रूप में चिन्हित किया गया, 91 गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता सिमैया द्वारा 84 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 26 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भीमपुर में चिकित्सा अधिकारी डॉ तरूणा काकोड़िया द्वारा 34 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 16 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

सिविल अस्पताल आमला खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ अशोक नरवरे एवं महिला चिकित्सक डॉ ईवान जेम्स द्वारा 37 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 11 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चिचोली में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ वंदना धाकड़ द्वारा 55 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें हाई रिस्क 55 महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घोड़ाडोंगरी में पीजीएओ डॉ कविता कोरी द्वारा 60 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 44 हाई रिस्क महिला एवं 9 सोनोग्राफी की गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहपुर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सिद्धी अग्रवाल द्वारा 48 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 32 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में पीजीएमओ द्वारा 54 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 21 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भैंसदेही में डॉ अभिषेक भलावी एवं स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सरस्वती कंगाले द्वारा 143 गर्भवती महिलाओं की जांच जिसमें 90 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में चिकित्सा अधिकारी डॉ सरिता कालभोर द्वारा 32 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 20 हाई रिस्क महिलाएं पाई गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ भावना कवड़ेकर द्वारा 118 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें 78 हाई रिस्क महिलाएं एवं 3 सोनोग्राफी की गई। जिले में 739 गर्भवती महिलाओं की जाचं एवं 419 हाई रिस्क चिन्हित, 103 सोनोग्राफी की गई। इसके अलावा शिविर में महिलाओं की खून एवं जीडीएम की जांच भी की गई। शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचे, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।

जिले में हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया जायेगा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस

स्थापना दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में कलेक्टर ने अधिकारियों को दिये निर्देश

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में आगामी 01 नवंबर को ''मध्यप्रदेश स्थापना दिवस'' को हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस न केवल एक उत्सव है, बल्कि हमारे राज्य की उपलब्धियों, संस्कृति और नागरिक सहभागिता का उत्सव भी है। इसलिए इसे हर नागरिक के लिए प्रेरणादायक और सहभागितापूर्ण बनाया जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाकर उन्हें बेहतर समन्वय के साथ क्रियान्वित किया जाए, ताकि यह आयोजन उत्सवपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस हमारे राज्य के गौरव, संस्कृति और प्रगति की प्रतीक तिथि है। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनी, सहित अन्य आयोजनों की कार्य योजना तैयार की जाए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों विशेषकर संस्कृति, शिक्षा, नगरीय प्रशासन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, एसडीएम श्रीमती स्वाती मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की ली समीक्षा बैठक

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.मनोज कुमार हुरमाड़े ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रभात पट्टन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा की। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉ.हुरमाड़े ने सीएचओ , एएनएम, आशा कार्यकर्ताओं को स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने गर्भवती पंजीयन, जन्म पंजीयन, टीकाकरण कार्यक्रम की उप स्वास्थ्य केन्द्रवार समीक्षा कर उपलब्धि में सुधार करने एवं अनमोल, एचआईएमएस पोर्टल की रिपोर्ट में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि सीएचओ, एएनएम, आशा सहयोगी कार्यकर्ता आपस में समन्वय बनाकर कार्य करें। अपने निर्धारित मुख्यालय पर निवास कर स्वास्थ्य सेवाऐं दें। प्रतिदिन किए गए कार्य की विस्तृत जानकारी डेली डायरी में लिखें। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में जाकर गर्भवती महिलाओं से दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। बैठक में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप धुर्वे, एमएण्डईओ श्री मनोज चढ़ोकार, डीसीएम श्री कमलेश मसीह, बीईई, बीपीएम, बीसीएम आदि उपस्थित रहे।

अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जाए : राज्यसभा सांसद माया नारोलिया

नर्मदापुरम (निप्र)। राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचकर पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा थोटा से भेंट की। इस दौरान राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने नर्मदापुरम क्षेत्र में बढ़ती अवैध शराब बिक्री, जुआ और सट्टे जैसी अवैधानिक गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की। राज्यसभा सांसद ने पुलिस अधीक्षक से इन सभी मामलों में कड़ी कार्रवाई कर अवैध कारोबार पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा की इस पावन नगरी नर्मदापुरम में सभ्य नागरिक रहते हैं, इसलिए यहां किसी भी प्रकार की अनैतिक या अवैधानिक गतिविधि संचालित नहीं होना चाहिए। इस अवसर पर श्री रूपेश राजपूत, श्री विकास नारोलिया, श्री राजेश तिवारी, श्री दीपक माहला, श्री सुमित गौर सहित अन्य उपस्थित रहे।

जिला अस्पताल में शैक्षणिक वीडियो के माध्यम से बताए गए तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभाव

नर्मदापुरम (निप्र)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दंत चिकित्सा विभाग द्वारा शैक्षिक वीडियो के माध्यम से लोगों को तम्बाकू उत्पादों के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लैपटॉप के माध्यम से प्रसारित वीडियो द्वारा लोगों को धूम्रपान और धूम्ररहित तम्बाकू, निष्क्रिय धूम्रपान, तथा इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट के हानिकारक प्रभावों से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को कोटपा अधिनियम की जानकारी दी गई तथा तम्बाकू सेवन छोड़ने के उपाय और तम्बाकू छोड़ने के बाद शरीर में होने वाले सकारात्मक बदलावों के बारे में बताया गया। दंत विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर तम्बाकू उत्पादों का सेवन बंद करने से मौखिक कैंसर और अन्य गंभीर मौखिक रोगों से बचाव संभव है। लोगों को वर्ष में कम से कम दो बार मौखिक जांच कराने की सलाह दी गई। साथ ही यह जानकारी दी गई कि तम्बाकू की लत छोड़ने के इच्छुक व्यक्ति जिला अस्पताल नर्मदापुरम स्थित तम्बाकू निषेध केंद्र पर परामर्श और निकोटीन की गोलियों की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। इस जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरसिंह गेहलोत के निर्देशन में तथा सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में आरएमओ डॉ. गजेंद्र यादव, जिला नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम एवं डेंटल सर्जन डॉ. रजनी कुशवाह, डेंटल सर्जन डॉ. अखिलेश सिंघल, डेंटल सर्जन डॉ. मिलन सोनी, डेंटल सर्जन डॉ. दिव्या पटेल, डेंटल सर्जन डॉ. श्रद्धा बदानी, जिला मीडिया प्रभारी सुनील साहू, तम्बाकू निषेध परामर्शदाता हेमलता पटेल एवं अन्य अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे।

गायत्री परिवार, समाज-संस्कृति-संस्कारों को पुष्पित-पल्लवित कर ऊर्जा का संचार कर रहा है : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अखिल विश्व गायत्री परिवार के शिविर के शुभारंभ-सत्र को किया संबोधित

आत्म निर्माण-राष्ट्र निर्माण और युग निर्माण की गतिविधियों के लिए युवा चिंतन शिविर का मध्यप्रदेश में होना गर्व का विषय

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का दिल है। जिस प्रकार हृदय, शरीर के रक्त को शुद्ध कर हमारी आयु बढ़ाता है, उसी प्रकार गायत्री परिवार समाज-संस्कृति-संस्कारों को पुष्पित-पल्लवित कर नई ऊर्जा का संचार कर रहा है। प्रांतीय युवा चिंतन शिविर के माध्यम से आत्म निर्माण-राष्ट्र निर्माण और युग निर्माण की यह गतिविधियां देश के दिल में बसे मध्यप्रदेश से संचालित हो रही हैं। हम सबको इस पर गर्व है। उन्होंने कहा कि देश को आजादी तो वर्ष 1947 में मिल गई थी लेकिन वैचारिक रूप से युवाओं को दृष्टि प्रदान करने के लिए डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। संघ का यह शताब्दी वर्ष है। पंडित मदन मोहन मालवीय, बाल गंगाधर तिलक और नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भी युवाओं को आगे बढ़ने के लिए दृष्टि प्रदान कर योगदान दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को शारदा विहार विद्यालय में आयोजित अखिल विश्व गायत्री परिवार के तीन दिवसीय प्रांतीय युवा चिंतन शिविर के शुभारंभ-सत्र को संबोधित कर रहे थे।

राज्य सरकार ने भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों को पाठ्यक्रमों में किया शामिल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बदलते दौर में भारतीय संस्कृति के सामने चुनौतियां हैं। परंतु भारत और विश्व में गायत्री परिवार की अखंड ज्योति भी प्रज्ज्वलित है। गायत्री परिवार, सर्वे भवंतु सुखिन- की सनातन भावना का पालन करते हुए मानवता की सेवा को ही अपना धर्म मानकर कार्य कर रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नारी उत्थान, पर्यावरण, ग्राम विकास और नशा मुक्ति के क्षेत्र में गतिविधियों के माध्यम से धर्म सेवा और राष्ट्र निर्माण का कार्य निरंतर जारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा नीति 2020 लागू की गई है। इसमें सनातन को समृद्ध करने और अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करने वाले अध्याय जोड़े गए हैं। राज्य सरकार ने भगवान श्रीकृष्ण और श्रीराम के जीवन के प्रेरक प्रसंगों को भी पाठ्यक्रमों में शामिल किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

गायत्री परिवार ने संस्कारों की पद्धति को सरल और ग्राह्य बनाया- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गायत्री परिवार ने विवाह सहित सभी संस्कारों की पद्धति को सरल और ग्राह्य भाषा में कराने की प्रक्रिया आरंभ की, जिससे जनसामान्य को संस्कारों का महत्व और उनमें निहित भावना समझने में मदद मिली। राज्य सरकार द्वारा वैदिक पद्धति से काल गणना के लिए वैदिक घड़ी तैयार की गई है। इसी क्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी कार्य जारी है।

हम बदलेंगे-युग बदलेंगे की भावना गायत्री परिवार का आधार

गायत्री परिवार के डॉ. चिन्मय पंड्या ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार कोई संस्था नहीं बल्कि एक जीवन दर्शन है। यह एक विचार धारा है। पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य ने गायत्री मंत्र को केवल जप नहीं बल्कि जीवन की दिशा बनाया। उन्होंने सिखाया कि युग परिवर्तन का आरंभ व्यक्ति के भीतर से होता है। उन्होंने 'हम बदलेंगे युग बदलेगा' की सीख देते हुए बताया कि जब मनुष्य स्वयं सुधरता है तो परिवार सुधरता है। परिवार सुधरता है तो समाज बदलता है और समाज बदलता है तो राष्ट्र बदलता है। यही गायत्री परिवार के विचार का आधार है। माताजी भगवती देवी शर्मा ने इस विचार को मातृत्व का स्वर दिया और सेवा को साधना बना दिया।

डॉ. पंड्या ने बताया आध्यात्मिक, नैतिक और सामाजिक मूल्यों पर आधारित विकसित भारत-2050 का खाका तैयार करना इस शिविर का उद्देश्य हैं। स्वस्थ युवा-सशक्त राष्ट्र, शालीन युवा-श्रेष्ठ राष्ट्र, स्वावलम्बी युवा-संपन्न राष्ट्र और सेवाभावी युवा-सुखी राष्ट्र इस आयोजन के लक्ष्य हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर की स्कीम नंबर 54 में पूर्वोत्तर संस्कृति संस्थान द्वारा आयोजित छठ पूजा कार्यक्रम में सहभागिता की।

किसानों को 0 प्रतिशत ब्याज पर लोन के आदेश जारी

पट्टाधारक आदिवासियों को सब्जी उत्पादन के लिए भी मिलेगा अनुदान

भोपाल (नप्र)। सहकारिता विभाग ने जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण देने की योजना जारी रखने के आदेश जारी कर दिए हैं। मोहन कैबिनेट ने तीन दिन पहले इस फैसले को मंजूरी दी है और जून 2026 तक किसान योजना का लाभ ले सकेंगे।

राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी बैंकों के माध्यम से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण देने की योजना को निरंतर रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। मोहन यादव कैबिनेट ने तीन दिन पहले इसे जारी रखने का निर्णय लिया है। उधर जनजातीय कार्य विभाग ने तय किया है कि प्रदेश के चार संभागों के 16 जिलों में जनजाति वर्ग के लोगों को वन भूमि पर पैदावार बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत सब्जियों के उत्पादन के लिए विशेष अनुदान दिया जाएगा। खरीफ 2025 सीजन के लिए देय तिथि 28 मार्च 2026 तथा रबी 2025-26 सीजन के लिए 15 जून 2026 की तारीख तय की है। इसके अंतर्गत अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों को गत वर्ष के समान 1.5 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान और खरीफ-रबी सीजन की निर्धारित देय तिथि तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप (अतिरिक्त ब्याज अनुदान) दिया जाएगा।

वन पट्टाधारक परिवारों को सब्जी के लिए मिलेगी प्रोत्साहन राशि

प्रदेश में जनजाति बाहुल्य ग्रामों में वनपट्टाधारी परिवारों को सब्जी उत्पादन के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के चार संभाग के 16 जिलों में जनजाति वर्ग के लोगों को वन भूमि पर पैदावार बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत सब्जियों के उत्पादन के लिए विशेष अनुदान दिया जाएगा। अनुदान राशि प्रति हेक्टेयर इकाई लागत का 90 प्रतिशत तक हो सकता है।

यहां के पट्टाधारक होंगे लाभान्वित- आयुक्त उद्यानिकी के अनुसार प्रदेश में नर्मदापुरम संभाग में नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, जबलपुर संभाग में जबलपुर, मंडला, सिवनी, छिंदवाड़ा कटनी, नरसिंहपुर, डिंडोरी और बालाघाट, शहडोल संभाग में शहडोल, उमरिया और अनूपपुर तथा भोपाल संभाग में भोपाल और सीहोर जिलों के कोलार बांध के आसपास के वनपट्टाधारी किसानों को योजना का लाभ मिलेगा।

इन किसानों को कृषि तकनीकी विशेषज्ञ और मार्केटिंग एक्सपर्ट की सलाह पर उच्चमूल्य वाली सब्जी फसलों जैसे- टमाटर, लौकी, करेला, फूलगोभी, पत्ता गोभी, ब्रोकली ब्रूसेल्स, स्प्राउट, बाकलावली, हरी मटर, बैंगन, शिमला मिर्च, भिंडी, खीर, हरी मिर्च, गाजर चुकंदर, शलजम, मूली, गांठ गोभी, राजमा, शकरकंद, केल-करम साग, सहजना की फली या मुनगा तथा पात्तिदार सब्जियों पर अनुदान सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है।

अदनान ने जेल से छूटकर की 'आतंकियों' की भर्ती

आईएसआईएस का सोशल मीडिया हैंडलर बना सीए स्टूडेंट; ज्ञानवापी जज को 'काफिर' कह धमकाया था

भोपाल (नप्र)। भोपाल से गिरफ्तार आतंकी अदनान आईएसआईएस का सोशल मीडिया हैंडलर निकला। इससे पहले भी वह एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। जमानत मिलने के बाद से युवकों को खुद से जोड़ने का काम कर रहा था। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियो सर्वे का ऑर्डर देने वाले जज को धमकी देने वाली पोस्ट (काफिरों का खून आपके लिए हलाल है...) भोपाल से गिरफ्तार आतंकी सैयद अदनान ने इंस्टाग्राम में की थी। जज की फोटो पर काफिर लिखा और उन्हें मारने के लिए उकसाया। इस मामले में लखनऊ के गोमती नगर थाने में केस दर्ज हुआ था। यूपी पुलिस ने इसके खिलाफ यूएपीए भी लगाया था।

12वीं के बाद ही जिहादी पेज और चैनलों को फॉलो किया- अदनान को 4 जून 2024 को भोपाल से गिरफ्तार किया गया था। यूपी पुलिस ने उसे 10 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की थी। इसके बाद 26 सितंबर 2024 को उसे जमानत मिल गई थी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि जमानत मिलने के बाद वह चरमपंथी सामग्री पोस्ट करने और समान विचारधारा वाले युवकों को भर्ती करने की गतिविधियों में तेजी ले आया। इससे पहले वह 12वीं के बाद ही जिहादी पेज और चैनलों को फॉलो करने लगा था। इसी दौरान आईएसआईएस की विचारधारा से प्रभावित हो गया।

जेहादी वीडियो इंटरनेट से जुटाने का काम करता था- सीए का स्टूडेंट सैयद अदनान आईएसआईएस के लिए सोशल मीडिया हैंडलर के तौर पर काम करता था। वे आईएसआईएस से जुड़ी जेहादी वीडियो इंटरनेट से जुटाने का काम करता था। इन वीडियोज में मजहब के नाम पर मर मिटने जैसी तकरीरें होती थीं। इन्हें तोड़-मरोड़कर हदीसों से जोड़ा जाता था। इन वीडियो को तोड़ने-मरोड़ने और फर्जी तरीके से एडिट करने का काम दिल्ली का अदनान करता था। दोनों ही सिग्नल ऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सीरियाई आईएसआईएस कमांडर के संपर्क में रहते थे। वहां से मिले निर्देश के अनुसार वीडियोज को अलग-अलग सोशल मीडिया ग्रुप्स पर शेयर करने का काम किया जाता था। फर्जी पहचान से बनाए गए यूट्यूब चैनल्स पर भी इन वीडियोज को प्रचारित और प्रसारित किया जाता था।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती जनजातीय गौरव दिवस के रूप में भव्यता से मनाएँ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एक से 15 नवम्बर तक हों विभिन्न विकासात्मक गतिविधियाँ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के समापन कार्यक्रमों के संबंध में दिए निर्देश

भोपाल(नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वें जयंती वर्ष के समापन अवसर पर आगामी 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस भव्यता से मनाया जाए। साथ ही एक नवम्बर से 15 नवम्बर तक ग्राम पंचायतों से राजधानी स्तर तक विभिन्न गतिविधियों का संचालन हो। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में भगवान बिरसा मुंडा के योगदान पर शिक्षण संस्थाओं में गतिविधियां संचालित की जाएं। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में सक्रिय रहे जनजातीय नायकों पर केन्द्रित प्रदर्शनियां लगाई जाएं। स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदाय के योगदान पर वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध, भाषण, क्विज और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय गौरव दिवस के संबंध में मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सोमवार को आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूहों के सम्मेलन, हस्तशिल्प की प्रदर्शनी और लोक कलाओं पर केन्द्रित गतिविधियों का भी आयोजन किया जाए। जनजाति बहुल क्षेत्रों में इस अवधि में लगने वाले मेलों में स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित विषय-वस्तु का प्रदर्शन किया जाए।

फिर बारिश; 79वीं बार तवा डैम के गेट खोले

गुना में पक चुकी मक्का की फसल खराब; श्योपुर में खुले में रखा धान भीगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लो प्रेशर एरिया और ट्रफ की एक्टिविटी होने से बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में आधे प्रदेश में पानी गिरा। सबसे ज्यादा श्योपुर में 2.2 इंच पानी गिर गया। पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में 1.6 इंच, बैतूल में 1.5 इंच और बालाघाट के मलाजखंड में 1 इंच बारिश हुई।

भोपाल, नर्मदापुरम, नौगांव, दतिया, गुना, रायसेन, उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास, टीकमगढ़, इंदौर, दतिया, उमरिया, शिवपुरी, छिंदवाड़ा, दमोह, जबलपुर, खजुराहो, हरदा, पांढुर्णा, सागर, सीधी, मंडला और नरसिंहपुर में भी बारिश हुई। आज भी ग्वालियर समेत कई जिलों में बारिश हो रही है।

रविवार रात को बारिश के बाद सोमवार को भी कई जगह बूंदा-बांदी हो रही है। इटारसी के तवा डैम के जलस्तर को काबू पर रखने के लिए सोमवार सुबह 3 गेट खोले गए हैं। गुना में खेतों पर सूख रही मक्का फसल बारिश के चलते खराब हो गई। सोमवार को किसान फसल को खेतों से निकालने में लगे रहे। श्योपुर में खुले में रखी धान की फसल गीली हो गई। तिरपाल ढककर फसल को बचाने की कोशिश की जा रही है।

तवा डैम के 3 गेट 3-3 फीट तक खोले गए

तवा डैम में बढ़ते जलस्तर को काबू में करने के लिए प्रशासन ने सोमवार सुबह 11 बजे से तीन गेट खोल दिए हैं। इन गेटों को 3-3 फीट की ऊंचाई तक खोला गया है, जिससे बांध से 16,070 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। कार्यपालन यंत्री एन. के. सूर्यवंशी के अनुसार, डैम का वर्तमान जलस्तर 1166.30 फीट दर्ज किया गया है। जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बरसात के कारण बांध में पानी की आवक बनी हुई है।

सीजन में 79वीं बार खोले गए तवा डैम के गेट

मानसूनी सीजन में तवा डैम के गेट कुल 78 बार खोले गए। वहीं, अब 79वीं बार गेट खुले हैं। इससे पहले साल 2022 में तवा के गेट सर्वाधिक 136 बार खोले गए थे। 2023 में सबसे कम 39 बार गेट खोलने पड़े थे। अफसरों ने बताया कि अक्टूबर में भी कई बार गेट खुल चुके हैं। साल 2023 में 1 अक्टूबर को और 2022 में 12 अक्टूबर को गेट खुले थे। इस साल भी 2 अक्टूबर तक गेट खुले रहे थे। इस सीजन में तवा डैम के कुल 13 में से केवल सात गेट ही खुल पाए हैं, जबकि पिछले साल सभी 13 गेट खोले गए थे।

करैरा में बारिश के बीच खाद के लिए भीगते रहे किसान

शिवपुरी जिले के करैरा क्षेत्र में किसानों की परेशानियां थमने का नाम नहीं ले रहीं। भारी बारिश से फसलों के नुकसान के बाद अब खाद की किल्लत ने किसानों को मुश्किल में डाल दिया है। सोमवार को लगातार हो रही बारिश के बीच भी किसान, महिलाएं और बच्चे घंटों लाइन में खड़े होकर खाद का टोकन पाने की उम्मीद में भीगते रहे।

गुना में 7.2 मिमी बारिश, मक्का फसल खराब

गुना में रविवार रात को 7.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश म्याना इलाके में हुई। यहां खेतों में पानी भर गया। खेतों में सूख रही मक्के की फसल भीग गई। किसान पानी से फसल को निकालते हुए दिखाई दिए।

वहीं अंडर ब्रिज में भी पानी भर गया, जिस कारण वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ स्कूली बच्चों का वाहन नहीं निकल पाया, तो वह लौट गए।

श्योपुर में कटाई के बाद खुले में रखा धान भीगा

श्योपुर मे सोमवार को फिर से शुरू हुई बारिश ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। किसानों का कटाई के बाद खुले में रखा धान भीग रहा है। इससे किसानों को काफी नुकसान हुआ है। किलगाबड़ी गांव के किसान बसंत सिंह का खुले में रखा करीब 12 ट्रॉली धान पूरी तरह भीग गया।

इसलिए बदला मौसम, 3 दिन असर

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अरब सागर की खाड़ी में एक डिप्रेशन एक्टिव है। इससे एक ट्रफ भी जुड़ी है, जो मध्यप्रदेश के बीचों-बीच तक आ रही है। इस वजह से अगले 3 दिन तक बारिश होने का अनुमान है। अगले 24 घंटे में यह ग्वालियर-चंबल समेत उत्तरी हिस्से में ज्यादा असर दिखाएगा। इसलिए कुछ जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। इसके बाद पूर्वी हिस्से में भी तेज बारिश होगी। वहीं, बंगाल की खाड़ी में एक डीप डिप्रेशन एक्टिव है, जो अगले 48 घंटे में एमपी में असर दिखाने लगेगा। इससे भी बारिश की गतिविधियां जारी रहेंगी।

30 अक्टूबर तक ऐसा ही मौसम

मौसम विभाग ने 27 से 30 अक्टूबर तक बारिश, गरज-चमक और आंधी का अलर्ट जारी किया है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग में असर देखने को मिलेगा।

इंदौर-पुणे फ्लाइट साढ़े 3 घंटे लेट

देश के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश का असर हवाई यात्राओं पर भी दिखने लगा है। गोवा में तेज बारिश के कारण सोमवार रात से उड़ानों का शेड्यूल प्रभावित हुआ। इसका असर इंदौर आने वाली फ्लाइट पर भी पड़ा। गोवा से पुणे होते हुए इंदौर आने वाली इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ई 284/701) सोमवार सुबह करीब 3 घंटे 30 मिनट की देरी से पहुंची।

भगवान महाकाल की कार्तिक माह की निकली पहली सवारी

महाकाल मंदिर का बैंड पहली बार शामिल किया गया, मनमहेश स्वरूप में भगवान ने दिए दर्शन

उज्जैन (नप्र)। भगवान महाकाल की कार्तिक माह में निकलने वाली सवारी के क्रम में पहली सवारी सोमवार को सभामंडप में शाम 4 बजे विधिवत पूजन-अर्चन कर राजसी ठाट-बाट के साथ निकली। सवारी निकलने से पहले उज्जैन कलेक्टर रोशन सिंह और एएसपी प्रदीप शर्मा ने सभा मंडप में भगवान मन महेश का पूजन अर्चन किया। इस दौरान पालकी का भी पूजन किया गया। पहली सवारी में भगवान श्री महाकालेश्वर पालकी में श्री मनमहेश के रूप में अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकले। इस बार सवारी में पहली बार श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा संचालित श्री महाकालेश्वर बैंड भी शामिल किया गया। जो की कदमताल मिलाता हुआ बैंड पर भजन की धुन बजाता हुआ निकला। सवारी में पुलिस बैंड, घुड़सवार दल, सशस्त्र पुलिस बल के जवान आदि के साथ निकली।